संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 302
पृष्ठ 8
गुरूवार
24 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- मानसून में बढ़ जाती है फूड...

विचार- मोदी की बंगाल रैली प्रदेश भाजपा...

खेल- अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं दिखेगा...

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन जैसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें अधिकारी : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा संपदा सेवा अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन–आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्तियों के रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का कामकाज में इस्तेमाल करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही। रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा," प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें ने कामकाज में लाना उनका कर्तव्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन–आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्ति रिकॉर्ड रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि ये शासन का हिस्सा बन रही हैं।" उन्होंने अधिकारियों से बुनियादी ढाँचे के विकास में पर्यावरण–अनुकूल पद्धतियों को अपनाने,नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने, अपव्यय को कम करने और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी। सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृत्व के रूप में, युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा अवसंरचना के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एमईएस 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों का सतत विकास और कुशल प्रबंधन जल सुरक्षा और विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल और जल संरक्षण को बढ़ावा देकर जन स्वास्थ्य में सुधार, कृषि उत्पादकता को बढ़ावा और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

## हिन्दुस्तान में चुनाव चोरी किये जा रहे : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे को लेकर बुधवार को आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर 'इंडिया' गठबंधन चुप नहीं बैठेगा और संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेगा। राहुल गांधी ने संसद परिसर में कहा कि ये सिर्फ बिहार की बात नहीं है। महाराष्ट्र में भी चोरी की। हमने चुनाव आयोग से मतदाता सूची मांगी, वीडियो मांगे, लेकिन उन्होंने हमें नहीं दिया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने वीडियोग्राफी देने का कानून ही बदल दिया। महाराष्ट्र में चुनाव से पहले एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। उनका कहना था कि कर्नाटक में हमने अध्ययन किया है और भयंकर चोरी पकड़ी है। मैं 'ब्लैक एंड व्हाइट' में आपको और चुनाव आयोग को बता सकता हूं कि कहां और कैसे चोरी की जा रही है। हम खेल समझ गए हैं। हमने कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र चुना और उसे पूरी तरह से समझा। छह महीने लगे और हमने चुनाव चोरी करने का इनका सारा सिस्टम समझ लिया है। उनके मुताबिक, अध्ययन से यह पता चला है कि कैसे नए वोटर बनते हैं, कौन वोट करता है और कहां से वोट होता है। राहुल गांधी ने दावा किया, इनको समझ आ गई है कि हमने इनकी चोरी पकड़ ली है। इसलिए अब ये बिहार में पूरा का पूरा सिस्टम (चुनाव चोरी का) नए तरीके से कर रहे हैं। ये मतदाताओं का नाम हटाएंगे और नए तरीके से सूची बनाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं। ये सच्चाई है हिंदुस्तान की। बाद में राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, श्शहिंदुस्तान में चुनाव चोरी किए जा रहे हैं, ये सच्चाई है। महाराष्ट्र में कैसे मैच फिक्सिंग हुई, हमने सबको दिखाया। कर्नाटक की एक लोकसभा सीट की जांच की, वहां बड़े पैमाने पर वोट चोरी मिली, जल्द जनता के सामने लाएंगे।श उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में एसआईआर के नाम पर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और अल्पसंख्यक भाइयों–बहनों के वोट चुराए जा रहे हैं।

### ● हम संसद से सड़क तक लड़ाई लड़ेंगे

## गुजरात में अलकायदा के मॉड्यूल का भंडाफोड़, 4 आतंकियों को एटीएस ने किया गिरफ्तार

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने भारतीय उपमहाद्वीप में अल–कायदा (एक्यूआईएस) से कथित रूप से जुड़े चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एटीएस के डीआईजी सुनील जोशी ने गिरफ्तारियों की पुष्टि की और कहा कि मॉड्यूल और उसके संचालन के बारे में अधिक जानकारी साझा करने के लिए जल्द ही एक विस्तृत प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, ये गिरफ्तारियाँ आतंकवाद–रोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता हैं। माना जा रहा है कि यह समूह ।फपै के गुर्गों के संपर्क में था। आगे की जाँच के बाद संदिग्धों की पहचान और उनकी गतिविधियों का खुलासा होने की उम्मीद है। रिपोर्टों के अनुसार, आरोपी व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के ज़रिए लोगों को चरमपंथी समूहों से जोड़ रहे थे। गुजरात एटीएस की टीमों ने इन प्लेटफॉर्म्स से आपत्तिजनक चौट बरामद की थीं, जिससे संदिग्ध कुछ समय से रडार पर थे। लगातार निगरानी के बाद, गुजरात एटीएस ने एक अभियान शुरू किया और आज चार आतंकवादियों को सफलतापूर्वक गिरफ्तार कर लिया। गुजरात एटीएस के सूत्रों ने बताया कि चारों काफी समय से अल–कायदा के नेटवर्क के संपर्क में थे। कथित तौर पर वे ऑनलाइन समूहों में शामिल हो रहे थे और अपने आकाओं के साथ नियमित संपर्क बनाए हुए थे, चरमपंथी विचारों को साझा और फैला रहे थे। निगरानी टीमों ने उनकी गतिविधियों पर नज़र रखी और पाया कि वे गुजरात से जुड़े घटनाक्रमों पर भी चर्चा कर रहे थे, जिसके बाद अंततः उनकी गिरफ्तारी हुई।

## 28 जुलाई को ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा, पीएम रहेंगे मौजूद

16 घंटे होगी बहस, पीएम मोदी की मौजूदगी में राजनाथ देंगे जवाब

नई दिल्ली। राज्यसभा की व्यापार सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में बुधवार को विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यसभा में अगले हफ्ते से दो दिन तक 16 घंटे की चर्चा होनी चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी सुनिश्चित की जाए। यह बैठक मानसून सत्र के दौरान हुई, जिसमें विभिन्न दलों के नेता, राज्यसभा में सदन के नेता जे. पी. नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने की। यह बैठक पहले सोमवार को प्रस्तावित थी, लेकिन उसी दिन शाम को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

बैठक के बाद कांग्रेस के राज्यसभा में उपनेता प्रमोद तिवारी ने बताया कि विपक्ष ने एक सुर में मांग की कि पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा अगले हफ्ते से शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि लोकसभा में इस पर चर्चा शुरू होने के एक दिन बाद राज्यसभा में चर्चा होनी चाहिए। वहीं, अब जानकारी सामने आई है कि ऑपरेशन सिंदूर पर 28 जुलाई से लोकसभा में चर्चा शुरू होगी। सदन में इस पर 16 घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान मौजूद रहेंगे। जबकि, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस पर जवाब देंगे। प्रमोद तिवारी ने कहा कि यह एक सामान्य बहस होनी चाहिए, कोई प्रस्ताव नहीं लाया जाना चाहिए।

## रुद्राभिषेक कर सीएम योगी ने की लोक मंगल की कामना

### *शिवरात्रि पर मानसरोवर मंदिर में हुआ हवन*

गोरखपुर, संवाददाता। पावन सावन माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि, सावन शिवरात्रि (बुधवार) को गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर में रुद्राभिषेक कर भगवान भोलेनाथ से प्रदेशवासियों के सुख–समृद्धि की प्रार्थना की। प्राचीन मानसरोवर मंदिर में सीएम योगी ने देवाधिदेव महादेव को विल्व पत्र, कमल पुष्प, दुर्वा,

अनेकानेक पूजन सामग्री अर्पित करने कर बाद जल, गोदुग्ध और गन्ने के रस से रुद्राभिषेक किया। गोरखनाथ मंदिर के विद्वत पुरोहितगण ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन व आरती कर अनुष्ठान को पूर्ण किया। उन्होंने देवाधिदेव महादेव से प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, सांसद रविकिशन शुक्ल, महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, विधायक विपिन सिंह, एमएलसी डॉ. धर्मेंद्र सिंह आदि भी उपस्थित रहे।

## नये उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए तैयारियां शुरू, चुनाव आयोग जल्द घोषित करेगा कार्यक्रम

नयी दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग ने उप राष्ट्रपति पद से श्री जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद इस पद के लिए निर्वाचन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोग ने बुधवार को जारी एक प्रेस नोट में कहा कि नये उप

राष्ट्रपति के चुनाव के लिए उसने तैयारी शुरू कर दी है और तैयारी पूरी हो जाने के बाद चुनाव का कार्यक्रम जल्द से जल्द घोषित कर दिया जाएगा। आयोग ने कहा है कि चुनाव कार्यक्रम घोषित किए जाने से पहले की तैयारियों में निर्वाचक मंडल की सूची तैयार करने , रिटर्निंग ऑफिसर तथा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर तय करने और उप राष्ट्रपति पद के लिए पूर्व में हुए सभी चुनावों से संबंधित सामग्री जुटाने और उसकी जानकारी देने का काम शामिल है। आयोग ने कहा है कि गृहमंत्रालय मंगलवार को एक गजट अधिसूचना के जरिए श्री जगदीप धनखड़ के उप राष्ट्रपति पद से इस्तीफे की सार्वजनिक सूचना जारी कर चुका है। आयोग को संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत इस पद के लिए चुनाव कराने का दायित्व प्राप्त है। उप राष्ट्रपति का चुनाव राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 तथा तत्सम्बंधी 1974 के नियमों द्वारा निर्देशित होता है। उप राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों, राज्य सभा और लोक सभा के सभी सदस्य शामिल होते हैं। उल्लेखनीय है कि श्री धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों से सोमवार को अपना इस्तीफा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को भेजा था जो तत्काल प्रभाव से मंजूर हो गया था।

## चौथी बार यूके यात्रा पर रवाना हुए प्रधानमंत्री

### ● किंग चार्ल्स और पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली/लंदन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चौथी ब्रिटेन यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वे ब्रिटेन में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिए जाने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। इसके अलावा में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर और किंग चार्ल्स तृतीय से मुलाकात करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि 23 से 24 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ चर्चा के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। वह राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। भारत और ब्रिटेन, दोनों के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है।

दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी।

## मुंबई में जारी है बारिश का कहर, भूस्खलन से कई घर ढहे

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में लगातार बारिश के बाद मिट्टी खिसकने से कई घर ढह गए। मुंबई के भांडुप (पश्चिम) में मंगलवार शाम को भूस्खलन की खबर आई, क्योंकि शहर में लगातार भारी बारिश हो रही है। यह घटना ओमेगा स्कूल के सामने, साईं निकेतन सीएचएस के पास, खिंदीपाड़ा इलाके में शाम करीब 7.30 बजे हुई।

## अमर शहीद को शहरवासियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रयागराज। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 119वीं जयंती के अवसर पर आजाद पार्क में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। आजाद की प्रतिमास्थल पर मुख्य अतिथि राज्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभार डॉ. दया शंकर मिश्र दयालु, पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर, डॉ. नरेंद्र कुमार सिंह गौर सहित शहरवासियों ने पहुंचकर अमर शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित की। पुलिस बल के सशस्त्र जवानों ने गन शाट फायर कर सलामी दी। स्कूली छात्र–छात्राओं ने नृत्य नाटिका की प्रस्तुति की तो सुबह से ही प्रतिमास्थल पर श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। इस दौरान पार्क के गेट नंबर तीन के सामने आजाद के दुर्लभ अभिलेखों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

## किसी का टूटा शीशा तो किसी वाहन की लाइट खराब

प्रयागराज। संगम घूमने गए गए लोग परेड में मंगलवार शाम नगर निगम के सैकड़ों वाहन एकसाथ देखकर चौंक गए। लोग सवाल करने लगे कि अचानक नगर निगम के इतने वाहनों के यहां आने का औचित्य क्या है। कुछ देर में नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा भी पहुंचे तो लोगों को पता चला कि वाहनों को जांच के लिए परेड में खड़ा किया गया है। नगर आयुक्त ने नगर निगम के 738 वाहनों की जांच की तो किसी का शीशा टूटा मिला तो किसी की लाइट खराब थी। कई वाहनों का इंडीकेटर टूटा था। तमाम वाहनों के नंब र प्लेट नहीं थे। अधिकारियों के साथ एक–एक वाहनों को देखने के बाद नगर आयुक्त ने लॉग बुक से तेल खपत का मिलान किया। प्रति लीटर कितनी तेल की खपत होती है, इसके बारे में अधिकारी और चालकों से जानकारी मांगी। मौके पर मौजूद रहे एक अधिकारी ने बताया कि फॉगिंग वाहन में 45 मिनट में 60 लीटर तेल खपत की जानकारी होने के बाद नगर आयुक्त हैरान हुए। उन्होंने कहा कि यह तो बहुत अधिक तेल पी रही है। इसके बाद नगर आयुक्त ने एक सफाई निरीक्षक को फॉगिंग वाहन की जांच करने और तेल खपत कम करने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने सभी वाहनों में छोटी–छोटी कमियों को दुरुस्त करने का भी निर्देश दिया

## प्रॉपर्टी डीलर की कार का शीशा तोड़कर नकदी चोरी

प्रयागराज। सिविल लाइंस में सुभाष चौराहे के समीप मंगलवार देर शाम प्रॉपर्टी डीलर के कार का शीशा तोड़कर चोरों ने 20 हजार रुपये नकद और 59 हजार रुपये चेक गायब कर दिया। सीसीटीवी फुटेज में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए एक बुजुर्ग व दो संदिग्ध युवक दिखे हैं। सिविल लाइंस थाने की पुलिस मामले की जांच में जुटी है। नई झूंसी निवासी प्रॉपर्टी डीलर प्रियांशु द्विवेदी मंगलवार शाम को सुभाष चौराहे के समीप किसी से मिलने कार से आए थे। प्रियांशु 70 हजार रुपये लेने के बाद सड़क किनारे अपनी कार में बैठकर गिनने लगे। इसी बीच एक महिला गोद में बच्चा लेकर भीख मांगने आई। प्रियांशु ने महिला को सौ रुपये दिए। इसके बाद 50 हजार रुपये लिफाफे में भरकर जेब में रखे और 20 हजार रुपये कार के डैशबोर्ड में रखकर किसी काम से चले गए। थोड़ी देर बाद लौटे, तो कार का शीशा टूटा मिला और डैशबोर्ड में रखे 20 हजार रुपये और 59 हजार रुपये का चेक गायब थे। थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में कुछ संदिग्ध दिखे हैं। संदिग्धों की पहचान कर जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## इंस्पेक्टर अतरसुइया करेंगे छेड़छाड़ व धमकी की जांच

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्रा से छेड़छाड़ और चेहरे पर तेजाब फेंकने की धमकी के मामले की जांच इंस्पेक्टर अतरसुइया को सौंपी गई है। छात्रा के पिता ने साथ पढ़ने वाले एक युवक के खिलाफ करेली थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। करेली निवासी छात्रा सिविल लाइंस स्थित एक कोचिंग में पढ़ती है। उसके साथ माज अहमद नाम का एक युवक भी कोचिंग में पढ़ता है। आरोप है कि माज ने छात्रा से मेलजोल बढ़ाकर उसका मोबाइल नंबर ले लिया। कोचिंग आते–जाते छात्रा को अश्लील इशारे और हरकतें करने लगा। कुछ दिनों बाद मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजने लगा। विरोध करने पर छात्रा और उसके पिता को धमकाया। मामले की शिकायत उसके पिता से की गई तो वह पिस्टल लेकर अपने साथियों के साथ छात्रा के घर पहुंच गया और चेहरे पर तेजाब फेंकने और घरवालों को जान से मार देने की धमकी दी।

## उचक्कों ने कार सवार महिला का पर्स उड़ाया

प्रयागराज। सिविल लाइंस में मंगलवार की शाम उचक्कों ने कार सवार महिला का पर्स उड़ा दिया। पर्स में सोने की बाली, 11 हजार रुपये नकदी, एफडी व एटीएम आदि कागजात थे। मेला रोड शिवकुटी निवासी आयुष यादव की बहन वर्षा यादव दिल्ली में एक निजी बैंक में नौकरी करती हैं। इन दिनों वह शहर आई हैं। वह मंगलवार की शाम लगभग सात बजे करेली निवासी अपनी सहेली शदब के साथ कार से सुभाष चौराहे के समीप मिठाई लेने गई थी। वह कार से उतरकर दुकान पर गईं, जबकि शदब उनके छोटे बच्चे को लेकर कार में बैठी रहीं। इसी बीच एक युवक कार के पास आया और सामान नीचे गिरे होने की बात कही। शदब कार का दरवाजा खोलकर नीचे देखेन लगीं, तभी युवक पीछे की सीट पर रखा वर्षा का पर्स लेकर भाग गया। सीसीटीवी फुटेज में चार संदिग्ध युवक दिखे हैं।

## परेड ग्राउंड में त्रिवेणी वन एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण का हुआ शुभारंभ

प्रयागराज। त्रिवेणी वन एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महाअभियान के तहत बुधवार को परेड ग्राउंड में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि प्रदेश के प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुश्रवण एवं कार्ययोजना बी. प्रभाकर ने पीपल, बरगद और नीम का पौधा रोपकर अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर रोटरी की ओर से पौधारोपण कर 10 हजार पौधे लगाने का संकल्प लिया लिया गया।

# पटरे के सहारे करते हैं नाला पार, जिम्मेदारों को हादसे का इंतजार

प्रयागराज। तमाम समस्याओं से जूझ रहे भुलई का पूरा के बाशिंदों के लिए निर्माणाधीन नाला मुसीबत बना हुआ है। दो माह से रास्ता बंद है और लोग नाले पर रखे पटरे के सहारे किसी तरह आ जा रहे हैं। सुबह स्कूली बच्चे कंधे पर बैग टांग कर कतार लगाए पटरे से निकलते हैं तो अभिभावकों की धुकधुकी लगी रहती है। परेशान लोग जल्द नाला बनवाकर रास्ता खोलने की मांग कर रहे हैं लेकिन ठेकेदार काम बंद कर चला गया है जिससे समस्या विकट हो गई है। यहां के लोग पहले ही जर्जर सड़क, बदहाल गलियां, चोक सीवर लाइन, दूषित पेयजल आपूर्ति, जर्जर बिजली के तारों से परेशान हैं ऐसे में नाला अधूरा बना कर छोड़ दिए जाने से उनकी परेशानी और बढ़ गई है।

जिम्मेदारों को अगर स्मार्ट सिटी की हकीकत देखनी हो तो उन्हें भुलई का पूरा आना पड़ेगा जहां छोटे–छोटे बच्चे जान जोखिम में डाल कर पटरे के सहारे नाला पार कर रहे हैं। नाला अधूरा बनाकर छोड़ दिए जाने के कारण पिछले दो माह से यहां के लोगों के लिए 'पटरे का पुल ही सहारा बना हुआ है। सुबह स्कूली बच्चों को लेने के लिए गाड़ियां आती तो नाला पार से हार्न बजाती रहती है। हार्न की आवाज पर बच्चे निकलते हैं और पटरे के जरिए नाला पार कर स्कूली वाहनों में सवार होते हैं, अगर इसमें जरा सी चूक हो जाए तो बच्चे नाले में गिर सकते हैं। यहां के लोग जल्द नाला बनवाकर रास्ता खोलने की मांग कर रहे हैं लेकिन ठेकेदार के काम बंद करने से समस्या गहरा गई है।

दुपहिया और चार पहिया वाहन चालकों को रास्ता बदलकर लम्बी दूरी तय कर आना जाना पड़ रहा है। शिकायत के बावजूद जिम्मेदार इस गंभीर खतरे को नजरअंदाज करते आ रहे हैं। जिससे किसी भी दिन कोई अनहोनी हो सकती है। गिने नहीं जा सकते जर्जर सड़क के गड्ढे यहां का मुख्य मार्ग अरसे से बदहाल है। जर्जर सड़क पर जगह–जगह गड्ढे हो गए हैं। सड़क के गड्ढे इतने खतरनाक हो गए हैं कि जरा सी चूक गंतव्य की बजाय सीधे अस्पताल पहुंचा सकती है। इस सड़क पर इतने गड्ढे हो गए हैं कि गिना नहीं जा सकता। इन गड्ढों में बारिश का पानी भरा रहता है। तेज बारिश में तो सड़क लबालब हो जाती है और आवागमन ठप हो जाता है। लोग लगातार इस सड़क के निर्माण की मांग कर रहे हैं लेकिन सड़क की दशा नहीं सुधर सकी है जिससे सैकड़ों लोगों को आवागमन में रोजाना परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि सड़क का करीब पांच सौ मीटर हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है जिसे दोबारा बनना जरूरी है। गलियों को है इंटरलाकिंग की दरकार इलाके की अधिकतर गलियां टूटी फूटी हैं। गलियों से लोग मुश्किल से निकल पाते हैं। बारिश में तो इन गलियों से निकलना किसी जंग जीतने सरीखा हो जाता है। बाइक व स्कूटी सवार गिर कर चोटिल हो जाते हैं और व्यवस्था को कोसते रहते हैं। यहां की करीब आधा दर्जन गलियों को इंटरलाकिंग की दरकार है। गलियों में इंटरलाकिंग हो जाए तो लोगों को आने जाने में काफी सहूलियत हो जाए। चोक पड़ी हैं सीवर लाइन, सड़क पर बह रहा गंदा पानी सीवर लाइनों की नियमित सफाई न होने से ये चोक हो गई हैं। इन्हीं जाम चौम्बरों से सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो कर सड़कों पर जमा हो रहा है। लगातार बहते सीवर के गंदे पानी से होकर लोग आ जा रहे हैं जिन्हें गंदगी और बदबू के कारण काफी परेशानी हो रही है। बीमारी फैलने के पूरे आसार बन चुके हैं। यहां चोक सीवर लाइन और चौम्बरों की सफाई की सख्त जरूरत है। खतरा पैदा कर रहे लटकते तार यहां बिजली के जर्जर तार खतरनाक तरीके से लटके हुए हैं जिनसे कभी भी कोई हादसा हो सकता है। कुछ स्थानों पर तो तार इतने नीचे से गए हैं हैं कि हाथ उठाने पर तार छू जाता है। पोल के आसपास भी तारों का बेतरतीब जाल फैला रहता है जिससे शार्ट सर्किट का खतरा बना रहता है। लोग शिकायत कर रहे हैं लेकिन जर्जर तारों को बदल कर व्यवस्थित नहीं किया जा रहा है जिससे लोग डरे सहमें रहते हैं। हमारी भी सुनें –– दो महीने हो गए हैं नाले का काम न तो पूरा हुआ, न नाला बन सका है। रास्ता बंद है और हमें घूमकर जाना पड़ रहा है। नाला बन जाए और रास्ता खुल जाए यह जरूरी है।–गौरव कुमार जब से नाले का काम लगा हम लोग परेशान हैं, रास्ता बंद कर दिया गया है। हम लोगों को लम्बी दूरी तय कर घूम कर जाना पड़ रहा है। नाले का निर्माण करा कर रास्ता खोला जाना चाहिए।–राजेन्द्र प्रसाद कई साल से सड़क खराब है, हालत ऐसी हो गई है कि इस पर चलने में डर बना रहता है। लगातार शिकायत करते आ रहे हैं लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। सड़क बन जाए तो राहत मिले।–रमेश चन्द्र कई साल से हम लोग जलभराव और बदहाल सड़क की समस्या से परेशान हैं। लगातार शिकायत की जा रही है लेकिन अधिकारी सुन नहीं रहे हैं जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।–सुजीत कुमार सड़क पर इतने बड़े–बड़े गड्ढे हो गए हैं कि चलना मुश्किल हो गया है। बाइक लेकर निकलते हैं तो गिरने का डर बना रहता है। सड़क की समस्या का समाधान हो जाए तो काफी राहत मिल जाए।–ऋषभ कुमार जर्जर सड़क पर बड़े–बड़े गड्ढे हैं जिनमें पानी भर जाता है। बारिश में परेशानी काफी बढ़ जाती है, सड़क से गुजरने में डर लगता है। सड़क बन जाए तो आवागमन में सहूलियत हो जाए।–अर्पित कुमार सीवर लाइन चोक हो गई है जिसके कारण गंदा पानी सड़क पर भरा रहता है। बदबू के कारण घर में रहना भी मुश्किल हो जाता है। जिम्मेदार ध्यान देंगे तभी समस्या का समाधान हो सकेगा।–राधा देवी नाला अधूरा बनाकर छोड़ दिया गया है। छोटे–छोटे स्कूली बच्चे पटरे के सहारे नाला पार कर स्कूल जा रहे हैं जिससे अनहोनी का डर बना रहता है। नाला बन जाए तो राहत मिले।–सुजीत चन्द्र कई साल से जर्जर सड़क की समस्या से परेशान हैं, ऊपर से अब यह नाले की नई मुसीबत खड़ी हो गई है। नाले के कारण वाहन नहीं निकल पा रहे हैं, हमें घूमकर जाना पड़ता है।–आदर्श कुमार सीवर लाइन की कभी सफाई नहीं होती जिससे जाम हैं, इसका गंदा पानी ओवरफ्लो कर घर में आ जाता है। गंदगी और बदबू के कारण काफी परेशानी हो रही है। इस समस्या का निदान जरूरी है।–आकाश चन्द्रा सड़क की हालत काफी खराब है इस पर चला नहीं जाता, गलियां भी बदहाल हैं। बारिश होने पर सड़क पर पानी भर जाता है। आवागमन की समस्या का निदान हो जाए तो राहत मिले।–अनिकेत कुमार हम लोग कई साल से चोक सीवर लाइन की समस्या झेल रहे हैं। बारिश में चौम्बर ओवरफ्लो कर जाते हैं और गंदा पानी घर में आ जाता है। इस समस्या का समाधान हो जाए तो राहत मिले।–मीरा देवी सड़क के लिए निगम के जिम्मेदारों से कई बार कहा गया लेकिन सड़क नहीं बन सकी है। जनप्रतिनिधि भी ध्यान नहीं दे रहे जिससे समाधान नहीं हो पा रहा है। सड़क बन जाए तो राहत मिले।– राजेश कुमार नाले के ऊपर पटरा लगाकर हम लोग किसी तरह पार करते हैं। बच्चों को भी इसी से आना जाना पड़ रहा है। हमेशा डर बना रहता है लेकिन मजबूरी के कारण पटरे से आ जा रहे हैं।– राजेन्द्र कुमार सीवर का पानी ओवरफ्लो कर सड़क और गली में भर जाता है। गंदगी और बदबू से घर में रहना भी कठिन हो गया है। इससे बीमारी फैल सकती है। समस्या का समाधान होना जरूरी है।–विमला देवी बोले जिम्मेदार –– भुलई का पूरा के नाले की समस्या संज्ञान में आई है, पता किया जाएगा कि क्यों नाले का काम बंद कर दिया गया है। शीघ्र नाले का निर्माण कराकर समस्या का समाधान करा दिया जाएगा। दिनेश चन्द्र सचान, मुख्य अभियंता , नगर निगम

# जिले के 98 केंद्रों पर होगी आरओ/एआरओ प्रारंभिक परीक्षा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने समीक्षा अधिकारी (आरओ)/ सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 के लिए प्रयागराज में 98 केंद्र बनाए हैं। खास बात है कि परीक्षा के लिए उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय फाफामऊ, प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भैय्या विश्वविद्यालय नैनी समेत सीबीएसई के स्कूलों को भी केंद्र बनाया गया है।

अभ्यर्थी वेबसाइट https://uppsc-up-nic-in से अपने ओटीआर नम्बर के जरिए प्रवेश पत्र तथा अनुदेश डाउनलोड कर परीक्षा केंद्र पर नियत तिथि एवं समय पर दो फोटो एवं आईडी प्रूफ की मूल एवं छायाप्रति लेकर उपस्थित होंगे। अभ्यर्थियों को केंद्र में परीक्षा

शुरू होने के निर्धारित समय से एक घंटा 30 मिनट पहले यानि आठ बजे से प्रवेश दिया जाएगा तथा परीक्षा शुरू होने के 45 मिनट पहले 8. 45 बजे प्रवेश बंद कर दिया जाएगा।

आयोग ने साफ किया है कि छह अगस्त 2024 को जारी उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम 2024 के तहत परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करना, नकल करना या नकल कराना, प्रश्नपत्र का प्रतिरूपण करना या प्रकट करने या प्रकट करने का षड्यंत्र करना आदि अपराध की श्रेणी में आते हैं और दंडनीय हैं। ऐसे प्रकरणों में एक करोड़ तक का जुर्माना और आजीवन कारावास तक की सजा, दोनों ही हो सकती है।

गौरतलब है कि छात्रसंख्या के लिहाज से आरओ/एआरओ 2023 प्रारंभिक परीक्षा आयोग की अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा है। इसमें 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

# पेट्रोल पंप और बारात घर का अलग से होगा सर्किल रेट

प्रयागराज। नए सर्किल रेट की अनंतिम सूची के प्रकाशन के बाद अब मोटे तौर पर स्थिति स्पष्ट हो गई कि किन इलाकों में जमीन की कैसी कीमत रहेगी। कहां पर जमीन खरीदना महंगा होगा और कहां पर जमीन की खरीदारी आसान होगी। इस बार सर्किल रेट की जारी सूची में कुछ सुधार भी किया गया है। पहली बार पेट्रोल पंप, सिनेमाघर, बारात घरों और शीतगृहों का अलग से सर्किल रेट जारी किया गया है। अब तक उस सड़क के अनुसार सर्किल रेट जारी किया जाता था। इस बार पेट्रोल पंप का सर्किल व्यावसायिक जमीन का 90 फीसदी तक बढ़ाया गया है और बारात घर जिस क्षेत्र में वहां पर आवासीय जमीन का 50 फीसदी तक सर्किल रेट उस पर बढ़ाया गया है।

वहीं ग्रामीण क्षेत्रों कृषि योग्य भूमि के क्रम में भी सुधार किया गया है। अब ग्रामीण क्षेत्र में जमीन को ए, बी, सी, डी श्रेणी में रखा गया है। दो हजार वर्गमीटर की जमीन जो नगर पंचायत में है, उसका सर्किल रेट खेती की जमीन का तीन गुना होगा, वहीं पांच हजार



वर्गमीटर तक प्लाटिंग का 80 फीसदी तक शुल्क रखा गया है। जैसा कि माना जा रहा था कि सबसे अधिक सर्किल रेट सिविल लाइंस में होगा। सरदार पटेल मार्ग, महात्मा गांधी मार्ग, अशोक नगर, जार्जटाउन, टैगोर टाउन जैसे क्षेत्रों में मुख्य सड़क पर सर्किल रेट 40 फीसदी तक बढ़ाया गया है। यही संपर्क मार्गों पर बढ़ोतरी 35 फीसदी तक की गई है। शहरी क्षेत्र की बात की जाए तो अल्लापुर, दारागंज, कटरा, नया कटरा मोहल्लों में बढ़ोतरी 35 फीसदी तक की गई है। जबकि गोविंदपुर, सलोरी, रामप्रिया मार्ग पर 40 फीसदी तक बढ़ोतरी कर दी गई है। शहरी क्षेत्रों से जुड़े इलाकों की बात की जाए तो चाका, सोरांव और फूलपुर तहसील में मुख्य मार्ग की बढ़ोतरी 30 फीसदी तक की गई है। सबसे कम बढ़ोतरी की बात की जाए तो कोरांव इलाके में पांच से 15 फीसदी के बीच की गई है। अपार्टमेंट के रेट भी अलग–अलग प्रयागराज। इस बार अपार्टमेंट के रेट भी अलग–अलग तय कर दिए गए हैं। उसकी सुविधा के अनुसार अलग–अलग नंबर दिए गए हैं। स्वीमिंग पुल का चार नंबर, पार्किंग का दो नंबर, सुरक्षा का एक नंबर दिया गया है। जिसके अनुसार अपार्टमेंट के रेट भी अलग–अलग किए गए हैं। यानी एक ही सड़क पर दो अपार्टमेंट के रेट अलग कर दिए गए हैं।

## ब्लैक स्पॉट चिह्नित कर, व्यवस्था कराएं दुरुस्त

प्रयागराज। मार्ग दुर्घटना के एक भीतर के घायल को ट्रामा सेंटर पहुंचाने वालों के लिए प्रदेश सरकार राहवीर योजना चला रही है। इस योजना के तहत अब राहवीर को पांच हजार रुपये के बजाए 25 हजार रुपये की राशि पुरस्कार के रूप में दी जाएगी। मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने इसे प्रचारित करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने मार्ग दुर्घटना को रोकने के लिए प्रत्येक दिशा पर बिलकिंग लाइट, पेंटेड रम्बल स्ट्रीप, ब्रेकर, विशेष लाइट लगवाने के लिए कहा। तीन या अधिक दुर्घटना वाले मार्गों की जांच के लिए कहा। अफसरों ने बताया कि घायल व्यक्ति के उपचार के लिए 1.5 लाख रुपये उपचार के लिए दिया जाता है। बैठक में मंलायुक्त ने ब्लैक स्पॉट चिह्नित करे के निर्देश दिया। इस दौरान एडीसीपी कुलजीत सिंह, आरटीओ हिमेश तिवारी, संजीव कुमार गुप्ता, टैक्सी टेम्पो यूनियन के उपाध्यक्ष रघुनाथ द्विवेदी, कमल मिश्रा आदि मौजूद रहे।

## खाद्य सुरक्षा में 1181 स्कूलों ने कराया पंजीकरण

खाद्य सुरक्षा में 1181 स्कूलों ने कराया पंजीकरण

प्रयागराज। विद्यालयों में संचालित मेस, रसोई, कैंटीन आदि के लाइसेन्स पंजीकरण और नवीनीकरण कराने के साथ ही विद्यालय को ईट राइट स्कूल बनाने के आदेश दिए गए हैं। इस क्रम में जिले के 3223 राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, वित्तविहीन, सीआईसीएसई, सीबीएसई एवं संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में से 1181 ने ही खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 21 जुलाई तक पंजीकरण कराया है। जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह ने अवशेष विद्यालयों का पंजीकरण अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए हैं। शंकरगढ़ के सर्वाधिक 187 स्कूलों में से शून्य पंजीकरण हुआ है। सोरांव के 102 स्कूलों में से भी किसी ने पंजीकरण नहीं कराया है। कौड़िहार फर्स्ट के 128 स्कूलों में से छह, कौड़िहार सेकेंड के 123 स्कूलों में से 27, मऊआइमा के 94 स्कूलों में से 18, फूलपुर के 153 स्कूलों में से 58 पंजीकरण हुए हैं।

## एक अगस्त को लागू होगा नया सर्किल रेट

प्रयागराज। नया सर्किल रेट एक अगस्त से लागू होगा। सभी तहसीलों में संपत्ति और जमीन के नए सर्किल रेट के हिसाब से मूल्यांकन का अनंतिम प्रकाशन जिला प्रशासन ने कर दिया है। अनंतिम प्रकाशन पर आपत्ति लिखित रूप से 29 जुलाई तक की जा सकती है। सभी तहसीलों, उपनिबंधक, सहायक महानिरीक्षक, निबंधन कार्यालय व एडीएम एफआर के कार्यालय में अनंतिम सूची चस्पा कर दी गई है। 29 जुलाई तक आई शिकायतों का निस्तारण करने के बाद एक अगस्त से नया सर्किल रेट लागू कर दिया जाएगा। जिले में पिछले कुछ सालों से सर्किल रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ था। इसे लेकर इस बार बदलाव की उम्मीद थी। जिलाधिकारी की अध्यक्षता वालीकमेटी ने निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की। मंगलवार को बढ़ाए गए सर्किल रेट पर जिलाधिकारी से हस्ताक्षर कराकर अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह ने बताया कि 29 जुलाई को शाम पांच बजे तक अनंतिम सूची पर आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। अगर कोई व्यक्ति व्यक्तिगत वाद दाखिल करना चाहता है तो वो 30 जुलाई को दोपहर दो से शाम चार बजे के बीच एडीएम एफआर या फिर सहायक महानिरीक्षक निबंधन कार्यालय में उपस्थित होकर अपना साक्ष्य तर्क के साथ प्रस्तुत कर सकता है।

## बिपिन पाण्डेय बने राम नाम लेखन बैंक के स्थाई सदस्य

प्रतापगढ़। अंतर्राष्ट्रीय श्री राम नाम लेखन बैंक प्रतापगढ़ द्वारा श्री राम नाम लेखन पुस्तिका निःशुल्क वितरित करके जनपद भर के राम नाम लेखकों को राम नाम लिखने के लिए प्रेरित करती है और उनके द्वारा लिखी कापियों का संग्रहण बैंक की शाखा पर होता है। वरिष्ठ दीवानी अधिवक्ता पंडित बिपिन पाण्डेय जी विगत कई वर्षों से राम नाम लेखन करके लिखित राम नाम की पुस्तिकाएं शाखा पर जमा करते हैं हाल ही में उनके द्वारा पंद्रह लाख श्री राम नाम लेखन पूर्ण किया इस उपलब्धि पर अंतर्राष्ट्रीय श्री राम नाम लेखन बैंक अयोध्यपुरी के निर्देश पर कचहरी प्रांगण में उन्हें बैंक की स्थाई सदस्यता का प्रमाण पत्र सौंपा गया इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय श्री राम नाम लेखन बैंक की प्रतापगढ़ शाखा के प्रबंधक अमित शुक्ल राम नाम साधक कवि साहित्यकार प्रेम कुमार त्रिपाठी प्रदीप दुबे, अंजनी कौशलेश सहित कई अधिवक्ता बंधु उपस्थित रहे।

## वैश्य अग्रवाल राजवंश महिला सभा दिल्ली का तीज़ उत्सव सम्पन्न

मुजफ्फरनगर। वैश्य अग्रवाल राजवंश महिला सभा दिल्ली का तीज़ उत्सव गायत्री मंत्र के साथ प्रारंभ हुआ। यह उत्सव हमारी सदस्य संगीता गुप्ता जी के घर द्वारका में उत्साह पूर्वक संपन्न हुआ। अतिथि सत्कार और लज़ीज़ व्यंजनों ने सबका मन मोह

लिया। सभी महिलाएं सज–धजकर आईं जैसा कि हमारी आज़ की थीम थी। डांस, गेम्स और तंबोला ने समय का पता ही नहीं लगने दिया। खूब मस्ती की और अपने मन की बातें एक दूसरे से शेयर कीं।

महिला सभा में उपस्थित सदस्य इस प्रकार रहे–

नूतन गर्ग, संगीता गुप्ता, अलका मित्तल, पूजा महेश्वरी, रजनी गर्ग, मेघा राजवंशी, अंजू गुप्ता, विजय लक्ष्मी, कोमल गुप्ता और हमारे फोटोग्राफर संगीता जी के सुपुत्र गौतम गुप्ता उपस्थित रहे। इस प्रकार वैश्य अग्रवाल राजवंश महिला सभा दिल्ली का तीज़ उत्सव धूमधाम से सम्पन्न हुआ।

## प्रेमपाल चौधरी बने भाकियू भानु पहलवान प्रकोष्ठ में मंडल अध्यक्ष (आगरा)

मथुरा। कस्बा बलदेव के निजी होटल में बुधवार को भारतीय किसान यूनियन भानु पहलवान प्रकोष्ठ की बैठक प्रदेश अध्यक्ष भूरा पहलवान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में नगला तेजा महावन निवासी प्रेम पाल चौधरी को सर्वसहमति से प्रदेश

अध्यक्ष भूरा पहलवान ने आगरा मण्डल अध्यक्ष की जिम्मेदारी देते हुए प्रमाण पत्र सौंपा। मण्डल अध्यक्ष प्रेम पाल चौधरी ने कहा कि वह किसानों के हितों की लडाई पूरी ईमानदारी से लड़ेंगे और संगठन को भी मजबूत करेंगे। निराश्रित गौ वंश सड़कों पर हादसों की वजह बन रहे हैं। क्षेत्र में बिजली संकट बना हुआ है जिसके खिलाफ आवाज उठाकर प्रशासन को जगाया जाएगा। इस मौके पर अजय सिंह,राहुल तोमर,अनुज चौधरी, श्यामवीर,सतीश कुमार,काना पहलवान, कुलदीप पहलवान, थानवीर तोमर,अजीत, संजय तोमर, दिलीप तोमर आदि मौजूद रहे।

## मोहन प्रजापति की चेतावनी के बाद मंसूरपुर पुलिस ने किया अनुज हत्या मामले का खुलासा

मुजफ्फरनगर। भारतीय अति पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहन प्रजापति ने चार दिन पूर्व हुई मंसूरपुर में कावड़ देखने गए अनुज प्रजापति की हत्या के बाद कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे वहीं उन्होंने पुलिस प्रशासन को जल्द खुलासा न होने पर मंसूरपुर थाने पर बड़ा आंदोलन की चेतावनी दी थी वहीं इस पूरे मामले को एसएसपी संजय वर्मा देख रहे थे जिसमें मंसूरपुर थाना प्रभारी देख रहे थे जिसके बाद कावड़ यात्रा में व्यस्त प्रशासन ने साथ साथ हत्या के मामले को भी गंभीरता से लिया जिसको पुलिस ने सख्त कार्यवाही कर मामले का खुलासा किया ओर 48 घंटों को अंदर ही पुलिस अंजाम तक पहुंच गई वही मोहन प्रजापति ने अधिकारियों व थाना प्रभारी को फोन कर अच्छी पुलिसिंग की सराहना की ओर सख्त कार्यवाही को कहा।

### एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल मार्ग निर्देशन में मात्र कुछ घँटों में ही मंसूरपुर थानाप्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री व निरीक्षक अपराध मिथुन दीक्षित एवं वरिष्ठ उपनिरीक्षक बालिस्टर त्यागी ने

# हत्या की घटना का खुलासा कर हत्यारों को किया बेनकाब

मुजफ्फरनगर। एसएसपी संजय कुमार वर्मा के कुशल मार्ग निर्देशन में मंसूरपुर थानाप्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री व निरीक्षक अपराध मिथुन दीक्षित एवं वरिष्ठ उपनिरीक्षक बालिस्टर त्यागी ने हत्या की घटना का खुलासा किया जिनका अनावरण असंभव लग रहा था लेकिन टीम वर्क ने इस हत्या की वारदात का खुलासा मात्र कुछ घँटों में कर अपने अफसरों की वाहवाही बटोरी हैं तथा मंसूरपुर थानाप्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री व उनकी टीम लगातार घटनाओं से पर्दा उठाते हुए अपराधियों को जेल की हवा खाने पर विवश किया और वही सुभाष अत्री के एक के बाद एक गुड वर्क ने सुभाष अत्री व उनकी टीम की कार्यप्रणाली में चार चांद लगा दिए हैं।कप्तान संजय कुमार वर्मा के कुशल मार्ग निर्देशन में मात्र कुछ घँटों में ही मंसूरपुर थानाप्रभारी निरीक्षक सुभाष अत्री व निरीक्षक अपराध मिथुन दीक्षित एवं वरिष्ठ उपनिरीक्षक बालिस्टर त्यागी व उनकी इम ने आज हत्या के एक अभियोग का मात्र 48 घंटे में सफल अनावरण करते हुए 03 अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया तथा जिसमे 02 बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया व अभियुक्तगण के कब्जे एवं उनकी निशांदेही से आलाकत्ल चाकू तथा 02 मोबाईल फोन भी बरामद किये है।बताया जा रहा हैं कि अभियुक्तगणो के द्वारा प्रेम प्रसंग मे की गयी थी युवक की हत्या। अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन मेरठ एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक नगर सत्यनारायण प्रजापत, क्षेत्राधिकारी खतौली एवं थाना प्रभारी मन्सूरपुर सुभाष अत्री के कुशल नेतृत्व में थाना मन्सूरपुर पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही।घटना का संक्षिप्त विवरण–दिनांक 21.07.2025 को थानाक्षेत्र मन्सूरपुर के अन्तर्गत गुरूकुल स्कूल के पास बन्द पडे शराब ठेके की पीछे एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना थाना मन्सूरपुर पुलिस को प्राप्त हुई । सूचना पर थाना तथा 02 बाल अपचारियों को पुलिस संरक्षण में लिया गया।

थाना मन्सूरपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण के कब्जे/निशांदेही से आलाकत्ल चाकू तथा 02 मोबाईल फोन बरामद किये गये। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना मन्सूरपुर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।गिरफ्तार अभियुक्तगण के

मन्सूरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, युवक के शरीर पर धारदार हथियार से चोट के निशान थे। मृतक की पहचान अनुज पुत्र विनोद निवासी ग्राम खानुपुर थाना मन्सूरपुर के रूप में हुई। थाना मन्सूरपुर पुलिस द्वारा मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया गया तथा परिजनों से प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0– 212/2025 धारा 103(1) बीएनएस पंजीकृत किया गया। उच्चाधिकारीगण के निर्देशन पर घटना के शीघ्र व सफल अनावरण व अभियुक्तगण की गिरफ्तारी हेतु थाना मन्सूरपुर पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उक्त घटना का सफल अनावरण करते हुए आज दिनांक 23.07.2025 को 03 अभियुक्तगण को एनएच–58 पर शाहपुर कट के पास से गिरफ्तार किया गया नाम अक्षय पुत्र सेन्सरपाल उर्फ भूधर निवासी ग्राम दूधाहेडी थाना मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर व अमन पुत्र किशनपाल निवासी ग्राम दूधाहेडी थाना मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर व दीपक पुत्र सहेन्द्र निवासी ग्राम दूधाहेडी थाना मंसूरपुर, मुजफ्फरनगर व 02 बाल अपचारी को भी गिरफ्तार किया हैं। पकड़े गए अभियुक्त गणों से मंसूरपुर पुलिस ने एक चाकू आलाकत्ल व 02 मोबाईल फोन भी बरामद किए हैं।पूछताछ का विवरण– प्रारम्भिक पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त अक्षय उपरोक्त द्वारा बताया गया कि मेरा एक किशोरी के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था तथा मेरे फोन में किशोरी के फोटो थे। मृतक अनुज मेरा दोस्त था। एक दिन अनुज ने मेरे फोन में से मेरी प्रेमिका के फोटो की अपने फोन में वीडियो बना ली तथा मेरी प्रेमिका का नंबर भी ले लिया तथा उससे बहाने से हाईवे पर बुला लो वहां मैं अपने दोस्तों के साथ मिलकर जंगल में लेजाकर उसे ठिकाने लगा देंगे।

दिनांक 20.07.2025 की रात्रि को मेरी प्रेमिका ने कांवड देखने के बहाने से अनुज को फोन करके बुला लिया तथा गुरूकूल स्कूल के पीछे बन्द पडे शराब ठेके के पास लेकर आयी। वहां पर मैं अपने 03 साथियों (अमन, दीपक व 01 अन्य) के साथ पहले से ही मौजूद था । जैसे ही अनुज वहां आया हमने उसे पकड लिया तथा चाकू से उसकी हत्या कर दी। उसके बाद हमलोग अनुज के शव को वहीं छोडकर फरार हो गये। आज हम कहीं बाहर भागने की फिराक में थे कि पुलिस द्वारा हमें पकड लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण द्वारा चाकू से अनुज की हत्या करना स्वीकार किया गया। पकड़े गए अभियुक्तों को मंसूरपुर पुलिस ने जेल भेज दिया है।

# कावड़ सेवा शिविर का हुआ समापन कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। क्रांति सेना शिवसेना 14 दिनों से चल रहा कावड़ सेवा शिविर का आज समापन कार्यक्रम हुआ। समापन कार्यक्रम में मुख्य रूप से राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल, शिवसेना राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा, राज्य महासचिव संजीव शंकर, वरिष्ठ समाजसेवी सत्य प्रकाश रेशू, आंदोलनकारी मास्टर विजय सिंह ने मुख्य रूप से उपस्थित होकर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारी को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। 32 वर्षों से चल रही है कावड़ शिविर की प्रशंसा करते हुए मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि इतने लंबे समय से कावड़ शिविर का चलना बहुत हिम्मत की बात है जहां प्रशासन पूरी तरह से सुरक्षित इस कावड़ मेले में सजग रहा वही क्रांति सेना/शिवसेना का कावड़ शिविर सर्वप्रथम प्रारंभ होकर सबसे बाद में आज समापन हुआ, वरिष्ठ समाजसेवी सत्य प्रकाश रिशु व लंबे समय से आंदोलन रत मास्टर विजय सिंह ने कार्यकर्ताओं का उत्साह वर्धन किया,कावड़ शिविर में कार्यकर्ताओं का सम्मान करते हुए राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा ने कहा कि बिना कार्यकर्ता के कोई भी कार्य संपन्न नहीं हो सकता, मेरे लिए मेरे कार्यकर्ता ही सब कुछ है जिनके कारण बड़े से बड़े कार्यक्रमों को हम सफल बनाते हैं, कार्यक्रम में राज्य महासचिव संजीव शंकर ने कहा कि भगवान शंकर के आशीर्वाद से शिविर में कांवड़ियों के भोजन,ठहरने इत्यादि की व्यवस्था के साथ–साथ चिकित्सा व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का पूरा इंतजाम रहा,मंडल अध्यक्ष शरद कपूर ने पूरा अन्न क्षेत्र संभाला और बताया कि 24 घंटे अन्न क्षेत्र में भोजन तैयार मिला, एक भी कावड़िया भोजन के बिना वापस नहीं जाने दिया गया। शिविर के समापन पर शिविर में भाग ले रहे कार्यकर्ताओं, महिलाओं, बच्चों को सम्मानित किया गया।जिला

अध्यक्ष बिट्टू सिखेड़ा व युवा जिला अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली, महिला जिला अध्यक्ष पूनम चौधरी के नेतृत्व में महिलाओं ने कावड़ियों को भोजन खिलाने की व्यवस्था निर्विघ्न पुरी की, कार्यक्रम में नगर मजिस्ट्रेट राजु राव व क्षेत्राधिकार संजय राठौर ने उपस्थित होकर सभी का आभार व्यक्त किया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से शरद कपूर, आनंद प्रकाश गोयल, बिट्टू सिखेड़ा, पूनम चौधरी,संजीव वर्मा, देवेंद्र चौहान, उज्ज्वल पंडित, अमित गुप्ता, नरेंद्र ठाकुर, हेमंत शर्मा,शैलेंद्र विश्वकर्मा, अभिषेक शर्मा, राखी प्रजापति, शालू चौधरी, आशीष मिश्रा ,डॉ राजकुमार धनगर, नीतू पंडित, बाबूराम, राकेश धीमान, शशि कुमार, श्रीमती मिथिलेश गिरी मीनू शर्मा राखी प्रजापति रानी चौधरी पूनम चल सविता गौतम प्रेमलता शर्मा अनोखी दुबे मोनिका प्रजापति उषा यादव संतोष शर्मा उषा चौधरी अनुराधा शर्मा सरिता शर्मा उर्मिला देवी सहित अनेक पदाधिकारी का कार्यकर्ता शामिल रहे।

# सरकार दिव्यांगों पर मेहरबान, कर्मचारी नहीं

## सीएमओ दफ्तर के चक्कर लगाते लगाते दिव्यांग परेशान, रिश्वत मिली तो ठीक वर्ना बाबू बिगाड़ देते बना बनाया काम

लखनऊ, संवाददाता। राज्य सरकार दिव्यांगों के सशक्तिकरण और स्वावलंबन पर बराबर फोकस कर रही है और उनके लिए अनेक योजनाएं भी लागू कर रही है। इनको समाज मे समुचित सम्मान मिले,इस खास ध्यान दिया जा रहा है लेकिन कुछ अफसरों और कर्मचारियों के कारण दिव्यांगों को दर दर भटकना पड़ रहा है। रिश्वतखोरी का आलम यह है कि श्दोश तो ठीक वर्ना बना बनाया काम बिगाड़ने में तनिक भी देरी नहीं लगाते हैं। यह उदगार हैं बाराबंकी जिले की तहसील रामसनेही घाट अंतर्गत कस्बा सुमेरगंज निवासी भुक्तभोगी दिव्यांग संजय कुमार श्रीवास्तव पुत्र विजय कुमार श्रीवास्तव के।उन्होंने उच्चाधिकारियों से गुहार लगाते हुए अवगत कराया है कि मैं दाहिने पैर से विकलांग हूं। विकलांग कार्ड बनवाने के लिए मैंने जनसेवा से ऑनलाइन आवेदन करके 5 अगस्त 2023 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बाराबंकी कार्यालय जाकर संबंधित अधिकारी के सामने विकलांगता दिखाकर अपना फार्म जमा कर दिया ।इसके बाद संबंधित अधिकारी द्वारा 5 अगस्त 2023से 5 अगस्त 2024 तक के लिए टेंपरेरी दिव्यांग कार्ड 40 प्रतिशत का बना दिया गया था। 1 वर्ष पूर्ण होने पर जब मैं अपना दिव्यांग कार्ड रिन्यूअल कराने के लिए सीएमओ बाराबंकी कार्यालय के दिव्यांग विभाग में जाकर सम्बंधित उस कर्मचारी से मिला जो कि दिव्यांग विभाग में कार्यभार देखते हैं ,जिसपर उन्होंने हमारा टेंपरेरी कार्ड वी आधार कार्ड तथा रिनीवल की एप्लीकेशन जमाकर ली।

## बहिस्त–ए–समर आम

(कुण्डलिया)

आमों की फ़हरिस्त में, दिखा अनोखा आम।
कहते ' बहिस्त–ए–समर', उसका प्यारा नाम।
उसका प्यारा नाम, बताता है यह क़िस्सा।
गूदा है रेशेदार, साथ में है शाइस्ता।
खाकर कहें प्रदीप,सुगन्धित बगिया लगती।
रस की यह खान,बताते हैं आमों की।।

दर्शन दुर्लभ है मगर,खोया नहीं वजूद।
कहते 'बहिस्त–ए–समर',सबका है मक़सूद।
सबका है मक़सूद, आम है सबसे प्यारा।
पीला–पीला जिल्द, आँख का है यह तारा।
सुन लो कहें प्रदीप,न करना भाई अनबन।
खाना इसको बाँट, अगर हो जाए दर्शन।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## कंपनी डायरेक्टर ने महिला कर्मी से की छेड़खानी, विरोध पर गोली मारने की धमकी

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आलमबाग इलाके में प्राइवेट कंपनी के डायरेक्टर ने महिला कर्मी से छेड़छाड़ की। पीड़िता का आरोप है कि डायरेक्टर बहाने से अपने घर ले गया। बंदूक के बल पर जबरदस्ती की। विरोध करने पर गोली मार देने की धमकी दी। उन्होंने आलमबाग थाने में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मानक निवासी युवती ने बताया कि शहरी आजीविका केन्द्र के जरिए उन्हें एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी मिली थी। कंपनी का डायरेक्टर वीर प्रताप सिंह है। ऑफिस आने के समय 10 से शाम 6 बजे का है। युवती ने बताया कि कुछ दिन बाद से डायरेक्टर वीर प्रताप सिंह बुरी नजर रखने लगा। मौका पाकर ऑफिस में ही छेड़छाड़ करने लगा। 19 जुलाई को घर छोड़ने के बहाने अपने घर ले गया। घर के अंदर ले जाकर बोला कुछ देर आराम कर लो। उन्होंने असहज महसूस करते हुए घर जाने की बात कही, तो जबरदस्ती रोक लिया। कमरे में जाकर एक नाली बंदूक ले आया। छत पर चलकर फायरिंग करने की बात कही। मना करने पर बंदूक दिखाते हुए जबरदस्ती। उन्होंने पुलिस से शिकायत करने की बात कही, तो गोली मारने की धमकी दी। घबराई वहां से भाग निकली। डर के कारण घटना की जानकारी किसी को नहीं दी।

## ब्रिगेडियर पुनीत ने एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण किया

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने 63 यूपी बटालियन एनसीसी यूनिट द्वारा आयोजित संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी) का दौरा किया। यह शिविर 14 जुलाई से 23 जुलाई तक लखनऊ कैंट स्थित 2 सैन्य प्रशिक्षण बटालियन, एएमसी सेंटर एंड कॉलेज में आयोजित किया गया। शिविर पहुंचने पर कैंप कमांडेंट और 63 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल आरपी सिंह ने ब्रिगेडियर श्रीवास्तव का स्वागत किया। इस मौके पर एनसीसी कैडेटों ने गार्ड ऑफ ऑनर भी पेश किया। दौरे के दौरान ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव को कैंप कमांडेंट द्वारा सीएटीसी और थल सैनिक कैंप (टीएसएसी) की प्रशिक्षण प्रक्रिया और गतिविधियों की जानकारी दी गई। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर में उपलब्ध सुविधाओं, कैडेटों के अभ्यास, अनुशासन और दिनचर्या का निरीक्षण किया। ग्रुप कमांडर ने शिविर में मौजूद कैडेटों से संवाद भी किया। उन्होंने युवाओं में नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के प्रयासों की सराहना की।

## स्कूल विलय मामले में सरकार ने रखा पक्ष

### खाली स्कूलों का बाल वाटिका और आगनबाड़ी के रूप में होगा उपयोग

लखनऊ, संवाददाता। इलाहाबाद हाइकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में स्कूल विलय मामले की सुनवाई आज जारी रही। सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता ने न्यायालय में विस्तृत बहस की। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्कूलों का विलय सभी नियमों के अनुसार किया गया है। विलय के बाद खाली हुए स्कूल भवनों का उपयोग बाल वाटिका स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में किया जाएगा। मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने सरकार को अतिरिक्त तथ्य प्रस्तुत करने की अनुमति दी है। इससे पहले कल अपीलार्थी की ओर से भी अपना पक्ष रखा गया था। न्यायालय ने मामले की सुनवाई कल भी जारी रखने का निर्णय लिया है।

# सम्पादकीय.....

## मेले में अकेला

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने–बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस–पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द–गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने–जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल–जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति–पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे–धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है। जो कालांतर एक ऐसे मनोरोग का रूप ले लेता है, जिसका उपचार कराने में भी पीड़ित व्यक्ति संकोच करने लगता है। इस स्थिति से व्यक्ति की वापसी सहज भी नहीं होती। जब हम डब्ल्यूएचओ के आंकड़े की बात करते हैं कि दुनिया में हर छठा व्यक्ति अकेलेपन की गिरफ्त में है तो उस कुल संख्या का अनुमान लगाना कठिन नहीं है, जो वास्तव में इससे पीड़ित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का वह आंकड़ा चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग–थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन प्रतिक्रिया थी। पहले ही कार्य परिस्थितियों के दबाव से युवा पीढ़ी में कई तरह की समस्याएं देखी जा रही हैं। नई पीढ़ी मन में आक्रोश, आकांक्षाएं पूरी न होने की कसक व अरुचिकर परिस्थितियों के चलते पहले ही घुटन महसूस कर रही है। उस पर कार्य परिस्थितियों की जटिलता से उपजी कुंठा उन्हें एकाकी जीवन की ओर धकेल सकती है। ऐसे में सामाजिक जुड़ाव, संवाद व संवेदनशीलता ही एकाकीपन दूर करेगी।

# मोदी की बंगाल रैली प्रदेश भाजपा में जोश भरने में नाकाम

**तीर्थंकर मित्रा**

*दुर्गापुर में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की सुस्त और बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयां मौजूद हैं। केंद्र सरकार की उदारता से निकट भविष्य में उन्हें पुनर्जीवित करने का कोई जिक्र प्रधानमंत्री के भाषण में नहीं था।*

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को दुर्गापुर रैली में पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों का बिगुल फूंका, जो एक कमजोर आह्वान ही साबित हुआ। उनकी रैली बंगाल भाजपा में जोश भरने में भी नाकाम रही। उन्होंने भाजपा के प्रति बंगाली भावना को भड़काने के लिए अपने 34 मिनट के संबोधन में बंगाली अस्मिता (गौरव) की बात की, लेकिन राज्य में उनकी प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी ने पहले ही कई भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को बांग्लादेशी बताये जाने के विरोध में कोलकाता में एक विशाल जुलूसनिकालकर उन्हें मात दे दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने रैली के दौरान कहा, जहां भी भाजपा है, बंगाली सुरक्षित हैं। बंगालियों को बांग्लादेशी बताये जाने की घटनाओं को देखते हुए, जो तृणमूल सुप्रीमो बनर्जी के लिए चुनावी मुद्दा बन गई हैं, भाजपा के मुख्य वोट बटोरने वाले नेता ने इस बयान से खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है, और वह बचाव की मुद्रा में हैं। इस पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने का आह्वान बेतुका था। बंगाली गौरव को सम्मान देने के लिए कवि विष्णु डे और अग्रणी महिला चिकित्सक कादम्बिनी गांगुली का जिक्र करना खोखला था। दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम और उसके आसपास मौजूद श्रोताओं ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल के धरतीपुत्रों के प्रति पूर्वाग्रह की झलक देखी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ी कार्रवाई यानी गैर–भारतीय नागरिकों को देश की धरती से निर्वासित करने की बात कही। जिन लोगों पर घुसपैठिए होने का आरोप लगाया गया था, उनमें से कई की कड़ी जांच के बाद पता चला कि वे भारतीय नागरिक हैं और इसी राज्य के निवासी हैं। लेकिन प्रधानमंत्री के भाषण में विरोध का एक शब्द भी नहीं था। असम और ओडिशा के उन हिस्सों में बंगालियों के उत्पीडन पर, जहां भाजपा सत्ता में है, प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बेशक, उन्होंने बांग्लादेश से घुसपैठ का डर दिखाया, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदलने का खतरा मंडरा रहा है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय एजेंसी, बीएसएफ, जो घुसपैठियों से सीमाओं की सुरक्षा करती है, पर कोई आरोप–प्रत्यारोप नहीं लगाया गया। प्रधानमंत्री का वाकयुद्ध पूरी तरह से तृणमूल कांग्रेस की राज्य सरकार की कमियों के खिलाफ था। राज्य भाजपा नेतृत्व प्रधानमंत्री की रैली स्थल पर पर्याप्त भीड़ की उपस्थिति को लेकर अनिश्चित दिखाई दिया। आखिरकार, भाजपा दुर्गापुरआसनसोल लोकसभा सीट पर हार गयी थी जहां रैली आयोजित की गई थी। पश्चिम बंगाल रैलियों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन यह अच्छी तरह जानते हुए कि दुर्गापुर, जो कभी पश्चिम बंगाल का एक हलचल भरा औद्योगिक केंद्र था, अब भगवा का गढ़ नहीं रहा, राज्य पार्टी प्रमुख समिक भट्टाचार्य इस औद्योगिक नगरी में घर–घर जाकर प्रधानमंत्री की रैली के निमंत्रण बांट रहे थे। दुर्गापुर में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की सुस्त और बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयां मौजूद हैं। केंद्र सरकार की उदारता से निकट भविष्य में उन्हें पुनर्जीवित करने का कोई जिक्र प्रधानमंत्री के भाषण में नहीं था। दक्षिण बंगाल, जहां दुर्गापुर स्थित है, राज्य के उत्तरी हिस्से की तरह भगवा खेमे के लिए कोई खास आकर्षण का केंद्र नहीं है। प्रधानमंत्री की रैली से राज्य के इस हिस्से में उनकी पार्टी की चुनावी संभावनाओं में कोई सुधार नहीं हुआ। इस रैली ने बंगाल में गहरी दरारों को उजागर कर दिया। राज्य भगवा इकाई के संगठनात्मक ढांचे पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के राज्य प्रमुख भट्टाचार्य, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और पूर्व राज्य प्रमुख दिलीप घोष के साथ मंच साझा करने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। लेकिन पार्टी आलाकमान के आमंत्रण के बिना, घोष ने प्रधानमंत्री की रैली में शामिल न होने का फैसला किया। वह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और राष्ट्रीय पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा के सामने अपना पक्ष रखा और उनसे समाधान की मांग की। प्रधानमंत्री ने राज्य इकाई के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने का कोई आह्वान नहीं किया। भाजपा के पास अभी तक सभी मतदान केंद्रों पर तैनात करने के लिए पर्याप्त संख्या में कार्यकर्ता नहीं हैं। इसका कारण पूरे राज्य में कार्यकर्ताओं के एक मजबूत और एकसमान आधार का अभाव है। महिलाओं पर अपराध के विरोध में शहर में हुए विभिन्न आंदोलनों में भाजपा की अनुपस्थिति साफ दिखाई दी। शायद प्रधानमंत्री ने राज्य इकाई की संगठनात्मक कमजोरी को बढ़ावा देने का विकल्प नहीं चुना। लेकिन सच्चाई यह है कि इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और यह आगामी चुनावी जंग में पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। नरेंद्र मोदी भाजपा संगठन को वह गतिशीलता प्रदान करने में विफल रहे जिसकी इस समय जरूरत थी। यह दौरा विभाजित भाजपा को कोई अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करने में विफल रहा है।

# संघ का शिक्षा एजेंडा : न पढ़ेंगे न पढ़ने देंगे

**राजेन्द्र शर्मा**

यह संयोग हर्गिज नहीं है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस की स्थापना की शताब्दी के इस वर्ष में शिक्षा का क्षेत्र और उसमें भी खासतौर पर आरंभिक शिक्षा का क्षेत्र लगातार खबरों में है। जाहिर है कि शिक्षा का यह क्षेत्र किन्हीं अच्छे कारणों से खबरों में नहीं है। वह नकारात्मक विवादों के लिए खबरों में है। इस क्रम में ताजातरीन विवाद, देश भर में स्कूली पाठ्यक्रमों के लिए मानक पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकें तैयार करने वाली केंद्रीय संस्था, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद या एनसीईआरटी द्वारा आठवीं तक की कक्षाओं के लिए जारी की गयी सामाजिक विज्ञान की और उसमें भी विशेष रूप से इतिहास की पाठ्य पुस्तकों को लेकर उठा है। विवादित पाठ्य पुस्तकों में, इन्हीं विषयों की पिछली पाठ्य पुस्तकों से जो भारी बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य मकसद भारतीय इतिहास की और विशेष रूप से मध्यकालीन इतिहास की आरएसएस की सांप्रदायिक धारणाओं तथा आग्रहों को, लड़कपन की उम्र से ही बच्चों के मन में, इतिहास के रूप में बैठाना है। सहज ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इसके लिए की गयी कतरब्योंत में मुस्लिम शासकों के दौर पर खासतौर पर कैंची चलायी गयी होगी। यहां तक कि टीपू सुल्तान और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उसकी लड़ाइयों का जिक्र तो सिरे से ही गायब कर दिया गया है। सभी जानते हैं कि अपने राजनीतिक बाजुओं के जरिए, आरएसएस को जब से भी देश की सत्ता तक किसी भी तरह से पहुंच हासिल हुई है, उसने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों के सांप्रदायिक पुनर्लेखन पर खास ध्यान दिया है। इस सिलसिले की औपचारिक शुरूआत तो 1978 में ही हो गयी थी, जब इमरजेंसी राज की हार के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार के माध्यम से, पहली बार आरएसएस के राजनीतिक बाजू, जनसंघ को केंद्र में सरकार तक पहुंच हासिल हुई थी। यह दूसरी बात है कि आरएसएस से संबंध के रूप में दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर, इमरजेंसी के विरोध के आधार पर बनी जनता पार्टी में विभाजन हो गया, जिसका जनसंघ घटक नयी राजनीतिक पार्टी का हिस्सा रहते हुए भी, आरएसएस के प्रति वफादारी बनाए रखने की छूट चाहता था। इस विभाजन के चलते जनता पार्टी की सरकार ज्यादा नहीं चल पायी। और चौतरफा विरोध के चलते, जिसमें खुद जनता पार्टी के दूसरे घटकों में से विरोध भी शामिल था, स्कूली पाठ्य पुस्तकों का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने की ये शुरूआती कोशिशें भी ज्यादा असर नहीं दिखा पायीं। इन कोशिशों को बड़ा बढ़ावा मिला 1998 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद। वाजपेयी सरकार में शिक्षा मंत्रालय, मुरली मनोहर जोशी ने संभाला, जो एक ओर अगर शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े रहे थे, तो दूसरी ओर आरएसएस के बहुत पुराने स्वयंसेवक थे। 2004 तक चले इस दौर में बाकायदा इतिहास के पुनर्लेखन की घोषणाएं की गयीं और इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में काट–छांट से लेकर, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र जैसे पोंगापंथी विषयों को विधिवत पाठ्यक्रम में स्थान दिलाए जाने की शुरूआत की गयी। फिर भी, अब जो हो रहा है उसे देखते हुए, यह कहना ही पड़ेगा कि इतिहास का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने में मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्रालय को तब, कोई बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिल पायी थी। बेशक, इसका संबंध इससे भी है कि इन कोशिशों का राजनीतिक ही नहीं अकादमिक हल्कों से भी जो तीखा विरोध हो रहा था, उसकी थोड़ी–बहुत प्रतिध्वनि तत्कालीन सरकार में भी सुनाई देती थी, जो गठबंधन की मजबूरियों से भी मुक्त नहीं थी। फिर भी शिक्षा की धर्मनिरपेक्ष तथा जनतांत्रिक धारा को इस दौर में इतनी चोट तो पहुंचा ही दी गयी थी कि स्कूली शिक्षा को उसके धक्के से उबारते हुए, दोबारा पटरी में लाने के लिए, यूपीए के राज में काफी बड़ी कवायद करनी पड़ी थी। 2014 से भाजपा के नेतृत्व में, गठबंधन की मजबूरियों से मुक्त और आरएसएस के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से युक्त सरकार आने के बाद से, 2004 में अधूरे छूट गए इतिहास के सांप्रदायिक पुनर्लेखन को आम तौर पर और स्कूली शिक्षा में खासतौर पर, ताबड़तोड़ आगे बढ़ाया गया है। आठवीं कक्षा तक की पाठ्यपुस्तकों का लगभग पूर्ण सांप्रदायीकरण, जिस पर इस समय बहस सुनाई दे रही है, इसी लंबी प्रक्रिया का नतीजा है। ताजातरीन झटके में, एक ओर तो मुस्लिम शासनों की चर्चा को इतना सिकोड़ दिया गया है कि रजिया सुल्तान तथा नूरजहां जैसे ताकतवर शासकीय व्यक्तियों का जिक्र ही गायब कर दिया गया है, तो दूसरी ओर बाबर से लेकर औरंगजेब तक, सभी मुगल शासकों को आधुनिक अर्थ में क्रूर, दमनकारी तथा धार्मिक अत्याचार करने वाले शासकों के रूप में चित्रित किया गया है और अकबर तक को नहीं बख्शा गया है। उसी परियोजना के दूसरे पहलू के रूप में हिंदू राजाओं के ठीक इन्हीं शुगणोंश का जिक्र ही न करते हुए, उनका ज्यादा से ज्यादा महिमामंडन किया गया है। लेकिन, बात सिर्फ मुस्लिम शासकों को काले रंग से पोते जाने तक सीमित नहीं रहती है। इससे आगे, बाकायदा एक सामान्यीकरण तक भी जाती है, जिसमें खासतौर पर भारतीय इतिहास के मुस्लिम दौर को 'अंधेरे दौर' या अंधकार युग के रूप में चिन्हित किया गया है। यह सांप्रदायीकरण के सिलसिले को, गुणात्मक रूप से एक नये स्तर पर पहुंचा देता है। दिलचस्प यह है कि आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन के इतिहास की जानकारी नहीं रखने वालों को ही 'अंधेरे दौर' की इस खोज में कुछ भी नया लग सकता है। वास्तव में यह भारतीय इतिहास लेखन के उस पश्चिमी औपनिवेशिक मॉडल की ही नयी पैकेजिंग है, जिसमें ब्रिटिश–पूर्व भारतीय इतिहास को मोटे तौर पर मुस्लिम–पूर्व प्राचीन काल और मुस्लिम मध्यकाल में विभाजित किया जाता था। इसमें प्राचीन गौरवपूर्ण या स्वर्णयुग था और मध्यकाल, इस गौरव के हरण का काल यानी इस दृष्टि के हिसाब से हिंदुओं और मुसलमानों के अनवरत टकराव का काल या हिंदुओं के दमन का काल। लेकिन, इस नयी पैकेजिंग में भी नया सिर्फ इतना है कि योरोपीय इतिहास के काल विभाजन में मध्य युग के लिए 'डार्क एज' की जिस संज्ञा का प्रयोग किया जाता है, उसी का ज्यों का त्यों अनुवाद कर दिया गया है। गैर–प्राचीन भारतीय इतिहास की, योरोपीय इतिहास से भिन्नता की कोई थोड़ी–बहुत गुंजाइश अब तक रहती भी थी तो उसे, इस अंधकार युग के आयात से पाट दिया गया है। स्कूली पाठ्य पुस्तकों के इस प्रसंग से ठीक पहले, स्कूली शिक्षा से ही संबंधित जो प्रसंग चर्चा में था, उसका संबंध हजारों की संख्या में सरकारी स्कूलों के बंद किए जाने से है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में यह मामला चर्चा में आया था, जहां इसी साल स्कूलों के मर्जर के नाम पर 5 हजार से ज्यादा स्कूलों के बंद किए जाने की खबर आयी है। सत्ताधारी भाजपा के बहुत ही सख्त मीडिया नियंत्रण के बावजूद, सोशल मीडिया में और थोड़ा–बहुत परंपरागत मीडिया में भी, अपने स्कूल बंद किए जाने के खिलाफ छोटे–छोटे स्कूली बच्चों के भावुक करने वाले प्रदर्शनों ने ध्यान खींचा है। ये बच्चे रो–रोकर सरकार से गुहार लगा रहे थे कि उनके स्कूल बंद नहीं किए जाएं। इसी क्रम में जगह–जगह पर लगाए गए एक बैनर ने भी ध्यान खींचाकृ मधुशाला नहीं, पाठशाला! दरअस्ल, यह बैनर भी तब वायरल हुआ जब योगी प्रशासन इस बैनर को हर जगह से हटवाने के लिए, सड़कों पर उतरा। कहने की जरूरत नहीं है कि मर्जर या तार्किकीकरण आदि, आदि नामों से, छात्रों की संख्या पचास से कम होने के आधार पर, सरकारी स्कूलों को ही बंद करने के इस खेल की, उत्तर प्रदेश–मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में, जहां पढ़ाई का स्तर आम तौर पर काफी दरिद्र है, गरीबों की शिक्षा पर बहुत भारी मार पड़ रही है। याद रहे कि स्कूलों का बंद किया जाना, भाजपा सरकारों की नीति का ही हिस्सा है। तभी तो 2014 से अब तक, देश भर में पूरे 89,441 स्कूल इस तरह से बंद किए जा चुके हैं। और इनमें से 60 फीसद स्कूल मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में ही बंद किए गए हैं। इस सब को देखते हुए हैरानी की बात नहीं है कि 2021 से 2024 के बीच तीन साल में देश भर में, पहली से आठवीं कक्षा तक के दो करोड़ छात्र पढ़ाई छोड़कर घर बैठ गए हैं। उत्तर प्रदेश में ही, जहां इस साल पांच हजार स्कूलों को बंद किया जा रहा है, 2022–23 और 2023–24 के बीच, 1,33,035 सरकारी प्राइमरी तथा मिडिल स्कूलों में, छात्रों के दाखिलों में पूरे 24 लाख की कमी हुई थी। इस तरह, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के नाम पर, स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को ही ढहाया जा रहा है। जाहिर है कि यह राजनीतिक स्वार्थों के लिए भावनाएं कुरेदने का ऐसा खेल है, जिसमें छात्रों के वास्तविक हितों की आहुति दी जाती है। एनईपी की आड़ में और आरएसएस के एजेंडे के खातिर, स्कूली शिक्षा के ही ध्वस्त किए जाने का ऐसा ही एक और प्रसंग जो पिछले दिनों चर्चा में रहा है, स्कूली शिक्षा में हिंदी थोपे जाने की कोशिशों का है।

# सड़क निर्माण करवाने की अनोखी कहानी

मध्यप्रदेश की लीला साहू का संघर्ष रंग लाया, सड़क निर्माण शुरु हुआ। लीला के संघर्ष का दिखा असर, अब गांव तक पहुंचेगी एंबुलेंस, सड़क बननी शुरु। कुछ इसी तरह के शीर्षकों के साथ यह समाचार देखने मिला। मामला मध्यप्रदेश के सीधी जिले का है, जहां रामपुर नैकिन विकासखंड इलाके के खड्डीखुर्द के बगैयाटोला से गजरी को जोड़ने वाली सड़क पिछले 10 सालों से बेहद खराब स्थिति में है। लेकिन अब उस सड़क का निर्माण शुरु हुआ है। हालांकि इसके पीछे सरकारी तंत्र से भिड़ने की कथा संलग्न है। इस इलाके में सड़क के नाम पर उबड़–खाबड़ रास्ते पर वाहनों का आना मुश्किल है। जब बुनियादी सुविधाओं के नाम पर वोट दिया है, तो फिर सरकार अपने वादों को पूरा क्यों नहीं करती, इस सवाल के साथ लीला साहू नाम की महिला पिछले एक साल से लगातार संघर्ष कर रही थीं। उन्हें सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी बताया जाता है। गांव की खराब सड़क के वीडियो बनाकर लीला साहू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए और सीधी जिले के कलेक्टर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और सांसद राजेश मिश्रा से सड़क निर्माण की मांग की। श्रीमती साहू ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर सड़क की दुर्दशा दिखाई, जिससे भाजपा सरकार की काफी किरकिरी हुई। लीला साहू का कहना था कि खराब सड़क होने से गांव की छह गर्भवती महिलाओं को अस्पताल जाने के लिए एंबुलेंस उनके घर तक नहीं पहुंच पाएगी। बता दें कि लीला साहू खुद गर्भवती हैं, लिहाजा उन्हें खुद के सही सलामत अस्पताल पहुंचने की चिंता तो है ही, अपने इलाके की अन्य गर्भवती महिलाओं की तरफ से भी उन्होंने आवाज उठाई।लीला साहू ने कहा कि मैंने आपको अपना वोट दिया है। देश और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है। इसके बावजूद हमारे गांव में अभी तक सड़क नहीं बन पाई है। इतनी अपील के बावजूद सरकार की तरफ से कोई भी जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी इस सड़क को देखने नहीं आए हैं। इस गांव में 6 महिलाएं गर्भावस्था में हैं। अगर उनको एंबुलेंस की सुविधा नहीं मिली अगर कुछ भी हो सकता है। जिसकी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन पर होगी। मेरा प्रसव का समय आ रहा है। देखना है कि आपकी कितनी सुविधाएं मिलती हैं। जब लीला साहू का वीडियो वायरल हुआ और इस पर प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और सांसद डॉ. राजेश मिश्रा से पत्रकारों ने सवाल किए तो बदले में बेतुके जवाब मिले। लीला साहू की मांग पर राजेश मिश्रा ने कहा था कि चिंता की क्या बात है। हमारे पास एंबुलेंस है, अस्पताल है, आशा कार्यकर्ता है, हम व्यवस्था करेंगे। डिलीवरी की एक संभावित तिथि होती है, बताएं तो हम एक हफ्ते पहले उठा लेंगे, अस्पताल में भर्ती करवा देंगे। वहीं राकेश सिंह ने कहा था कि अगर सोशल मीडिया पर कोई कुछ भी पोस्ट कर देगा तो क्या हम वहां सड़क बना देंगे? हर चीज के नियम होते हैं। ऐसे तो हर कोई वीडियो बनाकर समस्या बताने लगेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे कई स्थान हैं जहां सड़क की मांग है। पीडब्ल्यूडी या किसी भी विभाग के पास इतना बजट नहीं होता कि किसी की सोशल मीडिया पोस्ट पर हम सीमेंट–कांक्रीट या डंपर लेकर सड़क बनाने पहुंच जाएं। कौन–सी सड़क कौन बनाएगा, इसकी व्यवस्था तय है। विभाग की अपनी सीमाएं हैं। बहरहाल, इन जवाबों पर भी भाजपा के रवैये पर सवाल उठे और आखिरकार जिला प्रशासन ने बारिश के समय सड़क निर्माण का प्रारंभिक कार्य शुरू कर दिया है। लीला साहू ने खुद सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट कर जेसीबी मशीन और रोलर के साथ सड़क निर्माण कार्य दिखाया और खुशी जाहिर की है। लेकिन क्या इस मामले को अंत भला तो सब भला कहकर समाप्त माना जाए या फिर इसे लोकतंत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत कहा जाए, जिसमें अब जनता को खुद तमाम तरह के जोखिम मोल लेकर सरकार और प्रशासन को आईना दिखाना पड़ेगा, उन्हें याद दिलाना पड़ेगा कि उनकी जिम्मेदारी क्या है। जैसी सड़कें सीधी जिले की हैं, वैसे देश भर के गांवों की सड़कें हैं, यदा–कदा कोई अपवादस्वरूप अच्छी सड़क दिख जाए, तो अलग बात है। सड़कों के साथ–साथ सरकारी अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, परिवहन विभाग के वाहनों, पुल–पुलियों, हर जगह इतनी बदहाली है जिनके बारे में लिखते हुए पोथियां भर जाएं। मोदी सरकार की तरह इसके लिए हम केवल 11 सालों के शासन को दोषी नहीं ठहरा सकते, बल्कि आजादी के बाद से यही हाल है कि आम जनता बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य इन सब बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष करती आ रही है। इस दौर में केंद्र और राज्यों में कांग्रेस, भाजपा जैसे बड़े दलों के साथ–साथ क्षेत्रीय दलों और गठबंधनों की सरकारें रहीं, इसलिए किसी एक पर दोष नहीं मढ़ा जा सकता। लेकिन इसमें व्यवस्था को सुधारने की जगह नियति मान लेने की जो मानसिकता बन गई है, उसे अवश्य दोषी ठहराया जा सकता है। इस नियति को मानने से इंकार करते हुए कहीं दशरथ मांझी पहाड़ तोड़कर सड़क बनाते हैं, तो कहीं अरविंद पिल्लालमरी और रवि कुचिमांची जैसे लोग अपने गांव में बिजली लाने की व्यवस्था करते हैं (2004 में आई फिल्म स्वदेश इन्हीं से प्रेरित है) और कहीं लीला साहू अब सोशल मीडिया के जरिए सरकार तक अपनी समस्या पहुंचाती हैं। बीते कुछ समय से सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर बनने का नया चलन निकल पड़ा है और हर उम्र के लोग खुद को स्क्रीन पर दिखाने के शौक इसके जरिए पूरा कर रहे हैं। इसमें कई बार अश्लीलता और नैतिकता जैसे सवालों पर विवाद भी खड़े होते हैं। हालांकि सोशल मीडिया का बेहतर इस्तेमाल कैसे हो सकता है यह लीला साहू ने दिखाया है, इसके लिए उन्हें साधुवाद। नेता इस सवाल को उठा सकते हैं कि ऐसे तो कोई भी सोशल मीडिया पर समस्या दिखाए तो क्या हम उसे सुलझाने पहुंच जाएं। लेकिन उसका जवाब यही है कि जब लोकतंत्र में राजनीति का पेशा आपने चुना है तो फिर उसकी जिम्मेदारियां निभाने तैयार होना ही पड़ेगा। सोशल मीडिया पर समस्या उठे, इससे पहले उन्हें अपने इलाके की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। हमारी सीमाएं हैं, ऐसा कहकर नेता अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो सकते। और तब तो बिल्कुल नहीं जब सरकार आपकी हो।

# मुझे पागल कुत्ते ने काटा है क्या.. एली अवराम संग डेटिंग पर आशीष चंचलानी ने कही ये बात

एली संग डेटिंग की खबरों पर आशीष ने खुद चुप्पी तोड़ी। दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर आशीष चंचलानी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वो एली अवराम संग नजर आ रहे हैं। वीडियो में आशीष एक्ट्रेस संग डेटिंग पर बात करते हुए कहा-मैं इस इंसान को कभी डेट नहीं कर सकता। मुझे पागल कुत्ते ने नहीं काटा है क्योंकि एली के साथ तो काम करना ही बहुत मुश्किल है। मैंने सिर्फ मजाक किया था लेकिन हमें उम्मीद नहीं थी कि ये इतना बड़ा हो जाएगा।

एली अवराम और आशीष चंचलानी पिछले काफी वक्त से चर्चा में हैं। एली आशीष की एक रोमांटिक फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी जिसके बाद फैंस दोनों को कपल मानने लगे लेकिन बाद में पता चला कि ये सब उनके म्यूजिक वीडियो के प्रमोशन का हिस्सा था। वहीं अब एली संग डेटिंग की खबरों पर आशीष ने खुद चुप्पी तोड़ी। दरअसल हाल ही में सोशल मीडिया पर आशीष चंचलानी का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में वो एली अवराम संग नजर आ रहे हैं। वीडियो में आशीष एक्ट्रेस संग डेटिंग पर बात करते हुए कहा–मैं इस इंसान को कभी डेट नहीं कर सकता। मुझे पागल कुत्ते ने नहीं काटा है क्योंकि एली के साथ तो काम करना ही बहुत मुश्किल है। मैंने सिर्फ मजाक किया था लेकिन हमें उम्मीद नहीं थी कि ये इतना बड़ा हो जाएगा। गौरतलब है कि आशीष और एली ने जो फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की थी उसमें आशीष एली को अपनी बाहों में समेटे दिख रहे हैं। वहीं एली के हाथों में फूलों का एक गुलदस्ता भी दिखाई दे रहा है। फोटो को शेयर करते हुए आशीष ने कैप्शन में लिखा था– फाइनली। इस तस्वीर के सामने आते ही लगातार चर्चाएं शुरू हो गई थी और हर कोई मान रहा था कि आशीष और एली अब एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। बता दें कि आशीष और एली का गाना 'चंदनिया' हाल ही में रिलीज हुआ है जिसे विशाल मिश्रा ने गाया है और इसके बोल सईद कादरी ने लिखे हैं।

## दोस्तों और मंगेतर संग सेलेना गोमेज ने मनाया बर्थडे, पार्टी में प्यार बेनी ब्लैंको संग लिपलॉक करती दिखी हसीना

अमेरिकी सिंगर और एक्ट्रेस सेलेना गोमेज आज यानि 22 जुलाई को अपना 33वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। इस खास दिन से पहले सेलेना ने लॉस एंजेलिस में एक डिस्को–थीम वाली पार्टी होस्ट की। पार्टी में उनके करीबी दोस्त और परिवार के सदस्य शामिल हुए। इस पार्टी में उनके मंगेतर बेनी ब्लैंको और उनकी पुरानी दोस्त टेलर स्विफ्ट भी मौजूद थीं। सेलेना ने इस जश्न की कई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की। इन तस्वीरों में वह चमचमाते सीक्विन जंपसूट और फर जैकेट पहने हुए नजर आ रही हैं। पार्टी के दौरान वह रूफटॉप पर मेहमानों के साथ पोज देती दिखीं, और एक बलून पिट में टेलर स्विफ्ट के बगल में मुस्कुराती हुई भी देखी गईं। टेलर स्विफ्ट इस खास जश्न में एक ब्लैक लॉन्ग–स्लीव ड्रेस और अपनी सिग्नेचर रेड लिपस्टिक में नजर आईं। पार्टी की तस्वीरों में से एक में सेलेना गोमेज को अपने मंगेतर बेनी ब्लैंको के साथ किस शेयर करते हुए देखा जा सकता है। वहीं एक अन्य तस्वीर में वह अपनी दोस्तों के साथ मस्ती करती नजर आईं जिसमें सिंगर सोफिया कार्सन भी शामिल थीं। बता दें कि 2023 में सेलेना गोमेज और बेनी ब्लैंको ने अपने रिश्ते को पब्लिक किया था। तब से यह जोड़ी दुनिया भर के कपल्स के लिए कपल गोल्स बन चुकी है उनकी केमिस्ट्री, सपोर्ट और साथ में बिताए लम्हे सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होते रहे हैं। डेटिंग के एक साल बाद दिसंबर 2024 में दोनों ने सगाई कर ली। वहीं अब खबरें हैं कि सेलेना गोमेज इस साल बेनी ब्लैंको संग शादी रचाने वाली हैं।

## धड़क 2 के नए रोमांटिक गानें प्रीत रे में सिद्धांत-तृप्ति की केमिस्ट्री ने जीता दिल

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित रोमांटिक ड्रामा फिल्म ध ड़क 2 का एक और खूबसूरत गाना प्रीत रे कल रिलीज हुआ है। इस गाने में फिल्म के मुख्य कलाकार सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी के बीच की रोमांटिक केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। गाने प्रीत रे का संगीत दिया है रोचक कोहली ने, जो इस गाने के म्यूजिक कंपोजर भी हैं। दर्शन रावल, जोनिता गांधी और रोचक कोहली ने गाने को अपनी आवाज से सजाया है। सॉफ्ट और मेलोडियस टोन वाला यह गाना दिल को छूने वाला है और फिल्म की कहानी की झलक देता है। करण जौहर ने भी इस गाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट साझा किया था। गाना दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है और अब तक यू ट्यूब पर 4.6 मिलियन से ज्यादा लोगों द्वारा देखा गया है। इस बार फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। धड़क 2 का निर्देशन शाजिया इकबाल ने किया है। यह फिल्म 2018 में आई ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर स्टारर धड़क का अगला भाग मानी जा रही है, हालांकि इसकी कहानी और किरदार पूरी तरह से नए हैं। फिल्म 1 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

## सैयारा कब होगी ओटीटी पर रिलीज, प्लेटफॉर्म हुआ लॉक, डेट को रखा गया सीक्रेट

नवोदित अभिनेता अहान पांडे और अनीत पड्डा अभिनीत फिल्म 'सैय्यारा' सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई है। प्रमुख प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स द्वारा निर्मित, 'सैय्यारा' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई और बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है। इस फिल्म का नाम इस समय हर किसी की जुबान पर है और मोहित सूरी की प्रेम कहानी का जादू लोगों के दिमाग पर छाया हुआ है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अपनी धमाकेदार कमाई से लोगों का दिल जीत लिया है। इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। सुपरस्टार महेश बाबू और टॉलीवुड प्रोडक्शन हाउस मैथरी मूवी मेकर्स, दोनों ने ही ष्सैयाराष को बेहद पसंद किया है और उसकी सराहना भी की है। ''सैयारा'' के बारे में लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया दर्शकों को इसे देखने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। फिल्म ने रिलीज़ के सिर्फ़ 5 दिनों में कई रिकॉर्ड बनाने और तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। इस बीच, आइए जानते हैं इसकी ओटीटी रिलीज़ के बारे में। 'सैयारा' ने सिर्फ़ 8000 स्क्रीनिंग के साथ यह उपलब्धि हासिल की है, जो इस पैमाने की फिल्मों के लिए सामान्य संख्या से आधे से भी कम है। सीमित शो के बावजूद, प्रमुख शहरों के कई सिनेमाघरों में हाउसफुल शो दर्ज किए गए। यह रोमांटिक ड्रामा इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है। अब, ओटीटी डेब्यू के लिए इस फिल्म का बेसब्री से इंतज़ार बढ़ रहा है। ओटीटी दिग्गज नेटफ्लिक्स के पास श्सैयाराश के डिजिटल अधिकार हैं। हालांकि अभी रिलीज़ की तारीख की कोई पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि श्सैयाराश लगभग 2 महीने बाद ओटीटी पर रिलीज़ होगी। आमतौर पर, अन्य बॉलीवुड फिल्में भी इतना ही समय लेती हैं। अभिनय और कहानी के अलावा, श्सैयाराश के साउंडट्रैक ने भी इसकी लोकप्रियता बढ़ा दी है, खासकर युवा पीढ़ी के बीच। मोहित सूरी के करियर की सबसे शानदार ओपनिंग फिल्म 'सैय्यारा' ने 21 करोड़ रुपये की कमाई के साथ की है, जिसने 16.70 करोड़ रुपये से ओपनिंग करने वाली 'एक विलेन' और 6.10 करोड़ रुपये से शुरुआत करने वाली 'आशिकी 2' को पीछे छोड़ दिया है। फिल्म ने अब तक कुल 109 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो किसी भी डेब्यू एक्टर की फिल्म के लिए एक प्रभावशाली उपलब्धि है। सोशल मीडिया पर आरोप लगाए गए हैं कि श्सैय्याराश कोरियाई फिल्म श्ए मोमेंट टू रिमेंबरश की नकल है। यह पहली बार नहीं है जब बॉलीवुड फिल्मों पर इस तरह के आरोप लगे हों; इससे पहले भी कई फिल्मों की कोरियाई प्रोडक्शन की रीमेक या नकल होने का आरोप लगाया जा चुका है।

## मैं हूं पंजाब...गांव पहुंचते ही दिलजीत दोसांझ का दिखा असली पंजाबी टच,कभी ट्यूबेल से पिया पानी तो खेतों में खिंचवाई तस्वीरें

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बॉर्डर 2 की शूटिंग में बिजी चल रहे हैं। इस सबके बीच वह पंजाब पहुंचे जिसकी तस्वीरें दिलजीत ने इंस्टा पर शेयर की हैं। शेयर की तस्वीरों में दिलजीत दोसांझ कभी ट्यूबेल से पानी पीते तो कभी खेतों में पोज देते दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दिलजीत मूंछों को ताव देते नजर आ रहे हैं। लुक की बात करें तो दिलजीत व्हाइट शर्ट और ब्लू पैंट में हैंडसम दिखे। इसके साथ उन्होंने ब्लू कलर की पगड़ी बांध रखी है। इन तस्वीरों के साथ दिलजीत ने लिखा–(पंजाब)। फैंस दिलजीत की इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बॉर्डर 2 के अलावा दिलजीत दोसांझ पंजाब 95 में नजर आएंगे जो मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालरा के जीवन पर आधारित है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ जसवंत सिंह खालरा की भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने 1980 और 1990 के दशक में पंजाब में सिखों के सामूहिक दाह संस्कार और न्यायेतर हत्याओं के मामलों की जांच की थी। फिल्म को लेकर काफी विवाद रहा है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में 127 कट लगाने को कहा था, जिसमें फिल्म के शीर्षक से पंजाब शब्द हटाना, पंजाब पुलिस शब्द को पुलिस करना और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का नाम हटाना शामिल था हालांकि, फिल्म के निर्माताओं ने इन कट्स को लागू करने से इनकार कर दिया है, उनका कहना है कि फिल्म सच्चाई पर आधारित है और जसवंत सिंह खालरा जैसे महान नायक की बहादुरी का सम्मान करती है।

## तनुश्री दत्ता के साथ क्या हुआ ? बॉलीवुड में #MeToo शुरू करने वाली अभिनेत्री ने रोते हुए वीडियो से फैन्स को चौंका दिया

तनुश्री दत्ता एक बार फिर सुर्खियों में हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है जिसमें वह फूट–फूट कर रोती हुई नज़र आ रही हैं और दावा कर रही हैं कि उन्हें परेशान किया जा रहा है। हालाँकि इस वीडियो ने लोगों को हैरान और चिंतित कर दिया है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि असल में हुआ क्या था? हम आपके लिए सब कुछ लेकर आए हैं। तनुश्री दत्ता के वायरल वीडियो के बारे में वो सब कुछ जो आपको जानना ज़रूरी है:

भारतीय फिल्म उद्योग की जानी–मानी हस्ती अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने अपने घर पर उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। भारत में रुडमज्वव आंदोलन की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने रोते हुए अपना एक वीडियो पोस्ट किया है और दावा किया है कि उन्हें अपने ही घर में परेशान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पुलिस में भी इस मामले की शिकायत की है। उन्होंने बताया कि 2018 से उनका उत्पीड़न हो रहा है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्होंने मदद के लिए पुलिस को भी बुलाया था।

वीडियो में, दत्ता ने घटना का विस्तार से वर्णन किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि इससे मुझ पर कितना भावनात्मक असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि ष्दोस्तों, मुझे अपने ही घर में परेशान किया जा रहा है। मुझे मेरे घर में ही परेशान किया जा रहा है। मैंने अभी पुलिस को फ़ोन किया है और उन्होंने मुझे पुलिस स्टेशन जाकर उचित शिकायत दर्ज कराने को कहा है। मैं शायद कल जाकर ऐसा करूँगी, मेरी तबियत ठीक नहीं है।

उन्होंने आगे कहा मुझे इतना परेशान किया गया है पिछले 4–5 सालों में कि मेरी तबीयत खराब हो गई है। मैं कुछ नहीं कर पा रही हूँ, मेरा घर बिखरा पड़ा है। आगे बोलते हुए, उसने कहा, मैं नौकरानियाँ भी नहीं रख सकती क्योंकि उन्होंने मेरे घर में नौकरानियाँ बिठा दी हैं... नौकरानियों के साथ मेरे बहुत बुरे अनुभव रहे हैं, वे घर में आती हैं, चोरी करती हैं और तरह–तरह की हरकतें करती हैं। मुझे अपना सारा काम खुद करना पड़ता है। कृपया मेरे दरवाज़े के बाहर आएँ और... वह रुकी और कुछ देर रुकी, यह नहीं बताया कि वह वे किसे कह रही हैं।

तनुश्री ने एक और वीडियो पोस्ट किया

अभिनेत्री ने एक और वीडियो शेयर किया जिसमें सिर्फ़ अंधेरा दिखाई दे रहा है, और बैकग्राउंड में एक तेज़ चीख़ने की आवाज़ सुनाई दे रही है। वीडियो शेयर करते हुए तनुश्री ने लिखा, मैंने भी 2020 से लगभग हर दिन, अजीबोगरीब समय पर, अपनी छत के ऊपर और अपने दरवाज़े के बाहर ऐसी ही तेज़ आवाज़ों और अन्य बहुत तेज़ धमाकेदार आवाज़ों का सामना किया है! मैं बिल्डिंग मैनेजमेंट से शिकायत करते–करते थक गई थी और कुछ साल पहले मैंने हार मान ली थी। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वह अपनी एफ़आईआर में पुलिस के साथ और जानकारी साझा करेंगी अब मैं बस इसके साथ रहती हूँ और अपना ध्यान भटकाने और अपनी मानसिक शांति बनाए रखने के लिए हिंदू मंत्रों वाले हेडफ़ोन लगाती हूँ। आज मैं बहुत अस्वस्थ थी, जैसा कि आप लोग जानते हैं, पिछले 5 सालों से लगातार तनाव और चिंता से जूझने के कारण मुझे क्रोनिक थकान सिंड्रोम हो गया है और यह पूरे दिन और शाम को स्वीकार्य और अनुमत समय से कहीं ज़्यादा देर तक चलता रहा।

## स्लिम और फिट रहने के लिए इस रूटीन का करें पालन!

आज कल पतले रहना बेहद मुश्किल है लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आप स्लिम और फिट रहें तो उसके लिए आपको स्वस्थ रूटीन का पालन करना चाहिए। यहां हमने कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दी हैं जिन्हें आप भी अपनी जीवनशैली में जरूर अपनाएं –

1. प्रातःकाल की व्यायाम

रोजाना सुबह उठकर कम से कम 30–45 मिनट की व्यायाम करें। यह दौड़ना, योग या गहरी श्वासायाम हो सकती है।

2. समय पर नाश्ता

सुबह का नाश्ता समय पर करें, जिसमें प्रोटीन और फाइबर युक्त आहार शामिल हो।

3. पानी पिएं

दिन भर में नियमित अंतरालों में पानी पिएं, कम से कम 8–10 गिलास।

4. फल और सब्जी खाएं

अपने भोजन में फल और सब्जियों को शामिल करें, जो कम कैलोरी वाले और पौष्टिक हों।

5. संतुलित भोजन

मीठे और तली हुई चीजें को कम करें, और उचित मात्रा में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट्स और फैट्स लें।

6. रात का भोजन

रात का भोजन हल्का होना चाहिए, और खाने के बाद अधिक से अधिक दो घंटे का विश्राम लें।

7. नियमित व्यायाम

हफ्ते में कम से कम 5 दिन व्यायाम करें, जैसे चलना, जिम या योगा।

इस रूटीन को अपनाकर आप स्वस्थ और फिट रह सकते हैं।

## सावन के व्रत के दौरान ओवरईटिंग, भूखा रहना और अन्य गलतियां करने से बचें

इस साल सावन का शुभ महीना 22 जुलाई से शुरू हुआ है। हर साल सावन का महीना भक्तों द्वारा बहुत श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया जाता है। यह शुभ महीना भगवान शिव को समर्पित है। इस वर्ष, सावन का महीना 29 दिनों तक मनाया जाएगा और यह 19 अगस्त को समाप्त होगा। सावन सोमवार इस महीने के दौरान पड़ने वाले सोमवार हैं, भक्त भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद पाने के लिए इन शुभ सोमवारों पर व्रत रखते हैं। इस माह में शुभ घटनाएं भी देखी जाती हैं। इस साल का पहला सावन सोमवार आज (22 जुलाई) है। सावन का हर सोमवार विशेष और शुभ होता है। भक्त सुबह जल्दी उठते हैं और शिव लिंग को दूध, शहद और जल समर्पित करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं। भक्त भगवान शिव मंत्रों का भी पाठ करते हैं और समुद्र मंथन की कहानी सुनाते हैं और बताते हैं कि कैसे भगवान शिव ने समुद्र मंथन के दौरान निकले घातक जहर को पीकर सभी को बचाया। जैसा कि हम इस वर्ष के पहले सावन सोमवार का व्रत रख रहे हैं, यहां कुछ गलतियां हैं जिनसे हमें स्वस्थ रहने के लिए बचना चाहिए।

प्याज और लहसुन

सावन के इस महीने में सभी प्रकार के तामसिक खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। प्याज, लहसुन, अंडे और अन्य मांसाहारी खाद्य पदार्थों से सख्ती से बचना चाहिए।

तले हुए खाद्य पदार्थ

उपवास शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और पाचन तंत्र को बढ़ावा देने में मदद करता है। जब हम नमकीन और अन्य स्नैक्स जैसे तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, तो इससे पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, जिससे हम कमजोर और अयोग्य हो सकते हैं।

ज्यादा चीनी का सेवन न करें

जब हम व्रत रखते हैं तो शरीर में चीनी की चाहत होना स्वाभाविक है। सावन सोमवार का व्रत रखते समय चीनी का सेवन प्रतिबंधित नहीं है। हालांकि, उपवास रखते समय बहुत अधिक चीनी का सेवन करने से शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ सकता है और हम बीमार पड़ सकते हैं।

ओवरईटिंग

हालांकि व्रत तोड़ने और खाने के बाद भूख लगना हमारे लिए स्वाभाविक है, लेकिन हमें सावधान रहना चाहिए कि हम ज्यादा खाना न खा लें। इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सावन का महीना शांति, भक्ति और शांति का पालन करने का है। बीमार पड़ने से हमारा ध्यान बर्बाद हो सकता है।

भूखे न रहे

उपवास करना और भूखा रहना बिल्कुल अलग है। यह एक आम सोच है कि व्रत रखने के लिए हमें शरीर को भूखा रखना होगा। हालांकि, सच्चाई यह है कि उपवास करते समय हमें शरीर को फिट और स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने चाहिए।

# मानसून में बढ़ जाती है फूड पॉइजनिंग, इस तरह पहचानकर करें बचाव

मानसून के मौसम में फूड पॉइजनिंग की बढ़ती संभावना एक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य समस्या है। यह वक्त गर्मी से बारिशों तक का है, जब खाद्य सुरक्षा को बनाए रखना अधिक मुश्किल होता है। मानसून के दौरान बढ़ती हुमीडिटी, भिगोने वाले और भिगो रहे मौसम, और खाद्य पदार्थों के संचयन और प्रसंस्करण की कठिनाई के कारण, बैक्टीरिया और अन्य कीटाणुओं का विकास तेजी से होता है। इस अवस्था में, अप्रत्याशित भोजन, अस्वच्छता, और गलत संचयन के कारण खाद्य संक्रमण होने की संभावना बढ़ जाती है। इस समस्या से बचाव के लिए, स्वच्छता बनाए रखना, खाद्य पदार्थों को अच्छे से पकाना, शुद्ध पानी का उपयोग करना, और खाद्य संचयन के नियमों का पालन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इन सावधानियों का पालन करने से खाद्य संक्रमण की संभावना को कम किया जा सकता है और व्यक्ति स्वस्थ रह सकता है।

इस वजह से होती है ये समस्या

नमी

मानसून के मौसम में वातावरण बहुत ही गीला और नमी भरा होता है, जिससे भोजन पदार्थों पर बैक्टीरिया और फंगस का विकास तेजी से होता है।

पानी का प्रदूषण

भारी बारिश से पानी के स्रोतों में प्रदूषण हो सकता है, जो खाद्य पदार्थों को प्रभावित कर सकता है। प्रदूषित पानी का उपयोग भोजन की तैयारी में या सीधे सेवन में खाद्य संक्रमण का कारण बन सकता है।

अच्छी स्वच्छता और हाथों का धोना

बारिश के कारण किचन और खाद्य संभालने के स्थानों में अच्छी स्वच्छता बनाए रखना मुश्किल हो सकता है, जिससे बैक्टीरिया का प्रसार बढ़ सकता है।

अच्छी स्वास्थ्य देखभाल

लक्षण

पेट दर्द

उल्टी

उबकाई

दस्त

बुखार

सिरदर्द

थकावट

बचाव

1. स्वच्छता खाने के तैयारी में स्वच्छता बरतें, हाथों को बार–बार धोएं।

2. सही प्रकार से पकाना भोजन को अच्छे से पकाएं, विशेष रूप से मांस, अंडे और समुद्री खाद्य पदार्थों को।

3. शुद्ध पानी प्राकृतिक और शुद्ध पानी का उपयोग करें, खाने के लिए उपयुक्त बिलकुल साफ पानी का उपयोग करें।

4. ठंडा संचयन खाद्य पदार्थों को सही तरीके से संचित करें, फ्रिज में रखें जब तक वे उपयोग हों।

5. बच्चों और अन्य पदार्थों से दूर रहें अनावश्यक संपर्क से बचें, जैसे कि अनाज, खाद्य उत्पादों, या अन्य संक्रमित वस्तुओं से।

6. बचाव में अपने अस्पताल जाएंरू एक बार अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

## इन 3 बीमारियों को दूर कर सकता है आम, जानिए इसके फायदे

मीठा, रसीला और स्वाद में सबसे आगे आम को यूं ही फलों का राजा नहीं कहा जाता। यह न केवल खाने में लाजवाब होता है, बल्कि सेहत के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। हर साल 22 जुलाई को नेशनल मैंगो डे के रूप में मनाया जाता है ताकि लोगों को आम के सेहत से जुड़े फायदों के बारे में बताया जा सके और इस स्वादिष्ट फल की अहमियत को समझा जा सके। आम में विटामिन ए, सी, बी6, फाइबर, पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स प्रचुर मात्रा में होते हैं। यही वजह है कि यह शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है और कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है।

कब्ज की समस्या दूर करता है आम

जिन लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है, उनके लिए आम बहुत फायदेमंद होता है। आम में फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। इससे मल को बाहर निकालना आसान हो जाता है। रोजाना एक आम खाने से पेट साफ रहता है और गैस, अपच जैसी समस्याएं भी नहीं होतीं।

इम्यूनिटी कमजोर है? तो आम खाइए

अगर आपको बार–बार सर्दी, जुकाम या अन्य बीमारियां होती हैं, तो समझिए आपकी इम्यूनिटी कमजोर है। आम में मौजूद विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। इससे शरीर बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में सक्षम बनता है।

ब्लड प्रेशर को करता है कंट्रोल

आजकल हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी बहुत आम हो गई है। आम में पोटैशियम होता है, जो ब्लड प्रेशर को संतुलित करने में मदद करता है। यह दिल की सेहत को भी बेहतर बनाता है और हार्ट अटैक जैसी बीमारियों से दूर रखता है।

रोज आम खाने से क्या–क्या फायदा होता है?

दिल की सेहत अच्छी रहती है।

त्वचा निखरती है और चेहरे पर चमक आती है।

पाचन तंत्र मजबूत होता है और भूख भी अच्छी लगती है।

आंखों की रोशनी बढ़ती है क्योंकि इसमें विटामिन ए होता है।

हाई कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद मिलती है।

वजन नियंत्रित रखने में भी आम मददगार हो सकता है।

ब्लड शुगर लेवल को भी सही मात्रा में खाने पर कंट्रोल में रख सकता है।

रोज कितने आम खाने चाहिए?

एक दिन में 1 या 2 मध्यम आकार के आम खाना फायदेमंद है। ध्यान रखें अत्यधिक मात्रा में कोई भी चीज सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकती है। चाहे आम कितना भी पसंद हो, सीमित मात्रा में ही खाएं। नेशनल मैंगो डे के मौके पर हमें इस स्वादिष्ट और पोषण से भरपूर फल की अहमियत को समझना चाहिए। अगर आम को सही मात्रा में रोजाना अपनी डाइट में शामिल किया जाए, तो यह आपकी सेहत को कई तरह से सुधार सकता है फिर चाहे बात हो कब्ज की, इम्यूनिटी की या दिल की सेहत की।

## शाम के समय घर मे ना करें ये 5 काम, वरना आ सकती है सुख–समृद्धि में रुकावट

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का बहुत महत्व है। यह शास्त्र हमारे घर, कामकाजी जगह, और दैनिक जीवन के हर पहलू में असर डालता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, हर समय का अपना महत्व है और हमें समय के अनुसार कुछ चीजों को ध्यान में रखकर कार्य करना चाहिए। आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि शाम के समय किन पांच चीजों से बचना चाहिए, क्योंकि यह घर में दरिद्रता का कारण बन सकती हैं।

शाम को झाड़ू नहीं लगाना चाहिए

शाम के समय घर में झाड़ू लगाना वास्तु शास्त्र के अनुसार गलत माना जाता है। यह देवी लक्ष्मी को नाराज कर सकता है और घर में दरिद्रता का प्रवेश कर सकता है। इसलिए शाम के समय घर में सफाई करते समय झाड़ू न लगाएं। यह मान्यता है कि शाम के समय झाड़ू लगाने से घर में धन की कमी हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

शाम को फल या फूल नहीं तोड़ना चाहिए

वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्यास्त के समय फल और फूल तोड़ने से बचना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसके अलावा, यह भी माना जाता है कि देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु के आशीर्वाद से जुड़ा हुआ यह समय होता है, और इस समय यह कार्य करने से उनके आशीर्वाद में कमी आ सकती है।

शाम को उधार देना या लेना नहीं चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह भी कहा गया है कि सूर्यास्त के समय पैसे उधार देना या लेना घर में क्लेश और तंगी ला सकता है। यह कार्य रात के समय करना शुभ माना जाता है। अगर आप शाम के समय पैसे उधार लेते या देते हैं तो भविष्य में उधारी चुकता करने में दिक्कत हो सकती है और आर्थिक संकट उत्पन्न हो सकते हैं।

तुलसी के पत्ते शाम के समय नहीं तोड़ने चाहिए

तुलसी के पत्ते भगवान विष्णु को प्रिय होते हैं और उन्हें शुभ माना जाता है। लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ना मना है। इससे भगवान विष्णु नाराज हो सकते हैं और इसके कारण घर में आर्थिक तंगी और अन्य परेशानियां आ सकती हैं। इसलिए, शाम के समय तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए।

मुख्य द्वार बंद नहीं रखना चाहिए

वास्तु शास्त्र में यह कहा गया है कि घर का मुख्य द्वार हमेशा खुले रखना चाहिए, खासकर सूर्यास्त के समय। सूर्यास्त के बाद लक्ष्मी माता का घर में प्रवेश मुख्य द्वार से होता है। अगर आप सूर्यास्त के समय घर का मुख्य द्वार बंद रखते हैं, तो लक्ष्मी माता का आगमन रुक सकता है, जिससे घर में धन की कमी हो सकती है।

क्लेश और झगड़े से बचना चाहिए

शाम के समय घर में किसी भी प्रकार का विवाद, क्लेश या झगड़ा नहीं करना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार, ऐसा करने से घर की सुख–शांति भंग होती है और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। घर के माहौल को शांत और सकारात्मक बनाए रखना चाहिए ताकि लक्ष्मी का वास बना रहे और घर में खुशहाली बनी रहे।

किसी को खाली हाथ नहीं भेजना चाहिए

यदि शाम के समय आपके घर पर कोई व्यक्ति कुछ मांगने आए, तो उसे खाली हाथ वापस भेजना नहीं चाहिए। यह वास्तु शास्त्र के अनुसार अशुभ माना जाता है। अगर आप किसी को शाम के समय खाली हाथ भेजते हैं, तो इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सकता है। इसलिए, इस समय किसी को खाली हाथ न भेजें और उनके साथ सहानुभूति दिखाएं। इन सभी बातों का ध्यान रखते हुए आप शाम के समय अपने घर को और जीवन को सकारात्मक ऊर्जा से भर सकते हैं। वास्तु शास्त्र के इन सरल नियमों को अपनाकर आप अपने घर में सुख–शांति और समृद्धि ला सकते हैं।

## संक्षिप्त

### ऑटोमोबाइल और मोबिलिटी सेक्टर में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देगी DPIIT, मारुति सुजुकी से साझेदारी का एलान

नई दिल्ली। स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए मारुति सुजुकी ने उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (क्च्प्प्ज) के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी है। कंपनी ने अपने बयान में कहा कि श्स्टार्टअप इंडियाश पहल के तहत डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स को मारुति सुजुकी के इनोवेशन कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

स्टार्टअप्स को निवेशकों से जुड़ने का मंच मिलेगा

इसमें कहा गया कि चयन के बाद, स्टार्टअप्स को विशेषज्ञ मार्गदर्शन, उद्योग से जुड़ी गहन जानकारी और वाहन निर्मात के विशाल नेटवर्क व बुनियादी ढांचे तक पहुंच का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, स्टार्टअप्स को अपने समाधान प्रदर्शित करने के लिए इनक्यूबेटर्स, एक्सेलरेटर्स और निवेशकों से जुड़ने का मंच भी मिलेगा।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा और समर्थन देने का लक्ष्य

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी राहुल भारती ने कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य ऑटोमोबाइल निर्माण और मोबिलिटी क्षेत्र में तकनीक–आधारित समाधान विकसित करने के लिए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना है।

अगली पीढ़ी को होगा लाभ

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) स्टार्टअप्स के लिए एक मजबूत मंच बनाने की दिशा में एक कदम है। यह आइडिया को बाजार के लिए तैयार गतिशीलता और विनिर्माण समाधानों में बदल देगा, जिससे अगली पीढ़ी के औद्योगिक नवाचार में भारत के नेतृत्व को मजबूती मिलेगी।

### 24 जुलाई को आयकर दिवस का बहिष्कार, लंबित मुद्दों को लेकर विभागीय कर्मचारी करेंगे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। देश भर के आयकर कर्मचारी 24 जुलाई को आधिकारिक आयकर दिवस समारोह का बहिष्कार करेंगे। कर्मचारी कंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा अपनी समस्याओं को नजरअंदाज किए जाने से नाराज हैं।

जेसीए ने सीबीडीटी को लिखा पत्र

आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ का प्रतिनिधित्व करने वाली संयुकत कार्य परिषद ने बताया कि आने वाले हफ्तों में विरोध और तेज किया जाएगा। इससे देश भर में कर प्रशासन के कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जेसीए ने 21 जुलाई 2025 को सीबीडीटी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि हमारे गंभीर मुद्दे के प्रति प्रशासन की उदासीनता ने हमें यह विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर किया है।

कब–कब होगा विरोध प्रदर्शन

कर्मचारी 23 जुलाई से देशभर के 18 क्षेत्रों में स्थित प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, चीफ कमिश्नर और प्रिंसिपल कमिश्नर कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करेंगे। यह आंदोलन उनके लंबित मुद्दों को लेकर शुरू किया जा रहा है। 29 जुलाई को, देशभर के प्रमुख कर कार्यालयों में आधा दिन धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन संसद प्रश्नों और अदालती आदेशों से जुड़ी रिपोर्टों को छोड़कर सभी रिपोर्टों को स्थगित किया जाएगा। कर्मचारी आउटरीच कार्यक्रमों का बहिष्कार करेंगे और किसी भी आधिकारिक बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। अगर CBDT के सदस्य क्षेत्रीय कार्यालयों का दौरा करते हैं, तो काले झंडे दिखाकर विरोध किया जाएगा। JCA के अनुसार, 5 से 7 अगस्त तक प्रतिदिन धरना दिया जाएगा और इस दौरान सर्च और सर्वे ऑपरेशनों पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसमें टीडीएस सर्वे भी शामिल हैं। इसके बाद 8 अगस्त को कर्मचारी पूरे दिन कामकाज से वाकआउट करेंगे।

### भारत ने पासपोर्ट रैंकिंग में आठ पायदान की लगाई छलांग, 59 देशों में वीजा मुक्त यात्रा संभव

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग आठ स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 देशों के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक वीजा–मुक्त पहुंच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (ए।ज।) के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दर्शाती है जहां पासपोर्ट बिना पूर्व वीजा के प्रवेश की अनुमति देता है। एशियाई पड़ोसी देश जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जहां प्रत्येक को 190 गंतव्यों तक वीजा–मुक्त पहुंच प्राप्त है। नई रैंकिंग के अनुसार, भारत की वीजा–मुक्त पहुंच में केवल दो नए स्थान जुड़े हैं। इसके बावजूद, सुधार का श्रेय राजनयिक पहुंच और द्विपक्षीय समझौतों में वृद्धि को दिया गया है। नई पासपोर्ट रैंकिंग में सऊदी अरब को भी लाभ हुआ है। उसके वीजा मुक्त गंतव्यों में चार स्थानों का सुधार हुआ है। देश की रैंकिंग 91 गंतव्यों के साथ चार स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गया है। रैंकिंग में ब्रिटेन और अमेरिका की रैकिंग नीचे गिरी है। यूनाइटेड किंगडम 6वें स्थान पर गिर गया है, जो 186 देशों को वीजा–मुक्त पहुंच प्रदान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका अब 182 गंतव्यों तक पहुंच के साथ 10वें स्थान पर है। पिछले एक दशक में दोनों देशों की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई है। गौरतलब है कि यह पहली बार है जब अमेरिका के पासपोर्ट रैंकिंग के मामले में शीर्ष 10 से बाहर होने का खतरा है। यूरोपीय संघ के सात देश– डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, आयरलैंड, इटली और स्पेन– संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं, और प्रत्येक देश के पासपोर्ट पर 189 देशों में बिना वीजा के यात्रा की जा सकती है।

# अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं दिखेगा 'रसेल पावर'

## आखिरी मैच में खेली तूफानी पारी, जड़े 4 छक्के

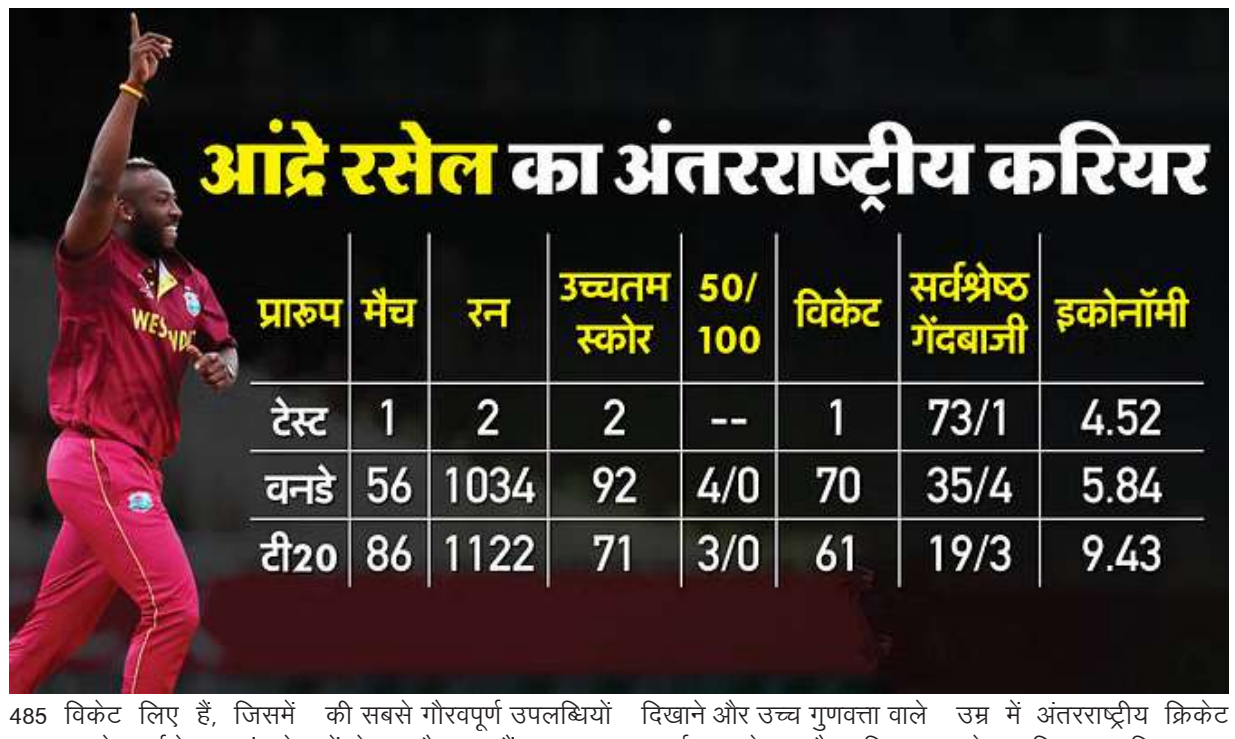

जमैका। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 37 साल के इस ऑलराउंडर ने करियर के आखिरी दो मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टी20 के रूप में खेले। इस सीरीज में हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन अब यह तो तय है कि अब उनकी दमदार हिटिंग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं दिखेगी। इसकी वजह से उन्हें कई नाम भी मिले...जैसे श्रसेल मसलश, श्रसेल पावरश...इत्यादि। रसेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों को इसलिए चुना क्योंकि, दोनों मुकाबले उनके होम ग्राउंड सबीना पार्क में खेले गए। दोनों ही मुकाबलों को ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया। पांच मैचों की सीरीज में कंगारुओं ने 2–0 की बढ़त बना ली है।

आखिरी मैच में रसेल का प्रदर्शन

रसेल ने अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच में 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने एक ओवर गेंदबाजी भी की और 16 रन लुटाए। वहीं, पहले टी20 में रसेल ने आठ रन बनाए थे और गेंदबाजी में दो ओवर में 37 रन लुटाए थे। रसेल ने वेस्टइंडीज के लिए एक टेस्ट, 56 वनडे और 86 टी20 मैच खेले। टेस्ट में उनके नाम दो रन और एक विकेट है। वहीं, वनडे में उन्होंने 27.91 की औसत और 130.23 के स्ट्राइक रेट से 1034 रन बनाए, जबकि 31.84 की औसत से 70 विकेट भी लिए। 92 रन उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन, जबकि 35 रन देकर चार विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 163.80 के स्ट्राइक रेट से 1122 रन बनाए और 64 विकेट भी अपने नाम किए। 19 रन देकर तीन विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन और 71 रन उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन रहा। 2019 से रसेल वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ टी20 ही खेल रहे थे।

दो बार वेस्टइंडीज को जिता चुके टी20 विश्व कप

यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2012 और 2016 में आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा था। हालांकि, रसेल का असली जलवा टी20 लीग में दिखा है। वह टी20 लीग खेलना जारी रखेंगे। रसेल दुनियाभर की टी20 लीग का हिस्सा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और लीग को मिलाकर उन्होंने 563 मैचों में 168 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 9,360 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और 33 अर्धशतक लगाए। नाबाद 121 रन टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। टी20 में उन्होंने एक गेंदबाज के रूप में




| प्रारुप | मैच | रन | उच्चतम स्कोर | 50/100 | विकेट | सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी | इकोनॉमी |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| टेस्ट | 1 | 2 | 2 | -- | 1 | 73/1 | 4.52 |
| वनडे | 56 | 1034 | 92 | 4/0 | 70 | 35/4 | 5.84 |
| टी20 | 86 | 1122 | 71 | 3/0 | 61 | 19/3 | 9.43 |

485 विकेट लिए हैं, जिसमें 5/15 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े शामिल हैं।

वेस्टइंडीज क्रिकेट ने आभार व्यक्त किया था

वेस्टइंडीज क्रिकेट ने रसेल के संन्यास के एलान पर लिखा था, श्शुक्रिया, ड्रे रस! दो बार टी20 विश्व कप चौंपियन बनने से लेकर मैदान के अंदर और बाहर 15 साल तक आपकी अद्भुत शक्ति से आपने वेस्टइंडीज के लिए पूरे दिल, जुनून और गर्व के साथ खेला। वेस्टइंडीज आपको सलाम करता है!श वहीं, रसेल ने कहा, श्शब्द इसका मतलब नहीं समझा सकते। वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। जब मैं बच्चा था, तो मुझे इस स्तर तक पहुंचने की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जितना अधिक आप खेलना शुरू करते हैं और खेल से प्यार करते हैं, आपको एहसास होता है कि आप क्या हासिल कर सकते हैं। इसने मुझे बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया क्योंकि मैं मरून रंग में अपनी छाप छोड़ना चाहता था और दूसरों के लिए प्रेरणा बनना चाहता था।

रसेल ने कहा, 'मुझे वेस्टइंडीज के लिए खेलना पसंद है और मुझे अपने परिवार और दोस्तों के सामने घर पर खेलना पसंद है, जहां मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने और उच्च गुणवत्ता वाले प्रदर्शन करने का मौका मिलता है। मैं कैरेबियाई देशों से आने वाली अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए रोल मॉडल बनकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का उच्च अंत करना चाहता हूं।' रसेल ने भारत और श्रीलंका की मेजबानी में फरवरी 2026 में होने वाले अगले आईसीसी टी20 विश्व कप से महज सात महीने पहले संन्यास लिया है। रसेल हाल के दिनों में वेस्टइंडीज की दूसरी हाई–प्रोफाइल रिटायरमेंट है। हाल ही में टीम के युवा बल्लेबाज निकोलस पूरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। उन्होंने 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

रसेल का रिकॉर्ड जो टूटना मुश्किल

दरअसल, साल 2011 में भारत ने वेस्टइंडीज का दौरा किया था। तब नॉर्थ साउंड में हुए वनडे में आंद्रे रसेल ने नौवें नंबर पर बल्लेबाजी की थी और नाबाद 92 रन की पारी खेली थी। 64 गेंदों की अपनी पारी में उन्होंने आठ चौके और पांच छक्के लगाए थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 143.75 का रहा था। नाबाद 92 रन वनडे क्रिकेट में नौवें या इससे निचले नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर है।

## बांग्लादेश के खिलाफ टी20 में पाकिस्तान ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड, मेजबान टीम की सीरीज में अजेय बढ़त

ढाका। मेजबान बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को पाकिस्तान को ढाका के शेरे बांग्ला स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी20 में आठ रन से हरा दिया। इस जीत के साथ बांग्लादेश की टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहला टी20 मेजबानों ने सात विकेट से अपने नाम किया था। अब तीसरा टी20 24 जुलाई को ढाका में ही खेला जाएगा। दूसरे टी20 में पाकिस्तान की टीम 134 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.2 ओवर में 125 रन पर सिमट गई। इसी के साथ पाकिस्तान ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। टीम ने 15 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, जो कि पांच विकेट गंवाने के बाद टी20 में उनका सबसे न्यूनतम स्कोर है। पावरप्ले यानी शुरुआती छह ओवर खत्म होने के बाद पाकिस्तान ने पांच विकेट गंवाकर 16 रन बनाए थे। टीम ने पांचवें ओवर तक ही 15 रन पर फखर जमां (8 रन), सैम अयूब (1 रन), मोहम्मद हारिस (0), हसन नवाज (0) और मोहम्मद नवाज (0) के विकेट गंवा दिए थे। पांच विकेट गंवाने के बाद पाकिस्तान का इससे पहले न्यूनतम स्कोर 16 रन का था, जो उन्होंने 2024 में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाए थे। अब पाकिस्तान की टीम एक स्तर और नीचे गिर गई। कप्तान सलमान अली आगा ने 23 गेंद में नौ रन, खुशदिल शाह ने 13 रन की पारी खेली। हालांकि, पुछल्ले बल्लेबाजों के रन की वजह से पाकिस्तान की टीम 125 के स्कोर तक पहुंच पाई। फहीम ने 32 गेंद में चार चौके और चार छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली।

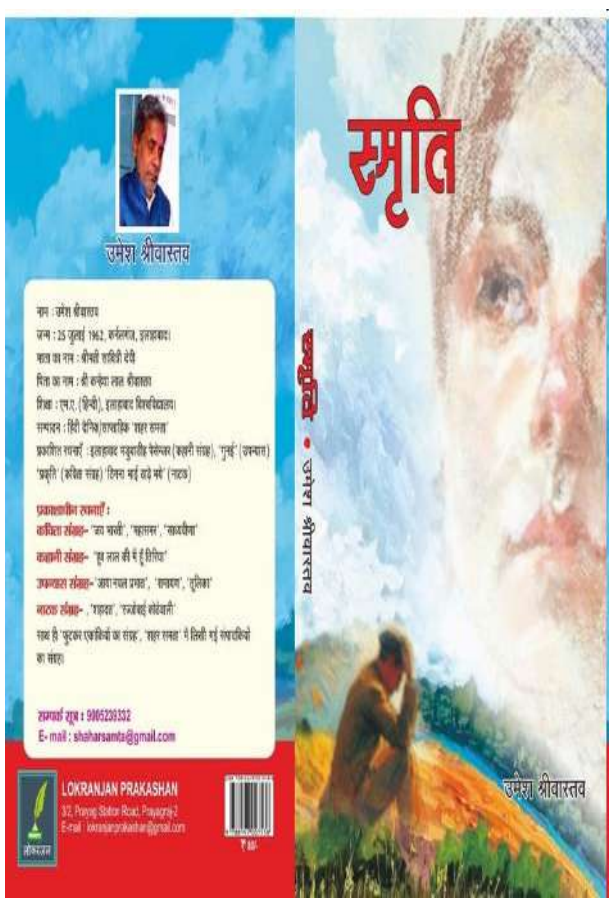

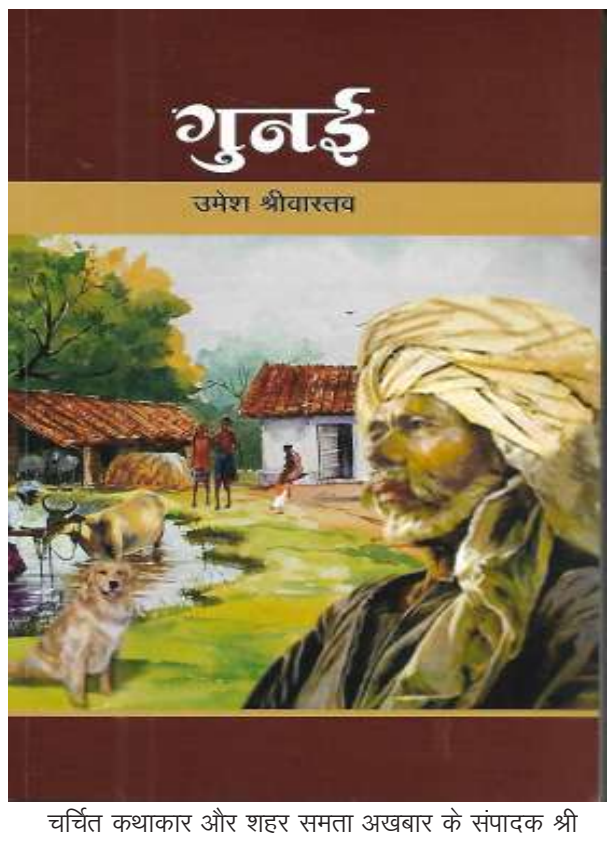

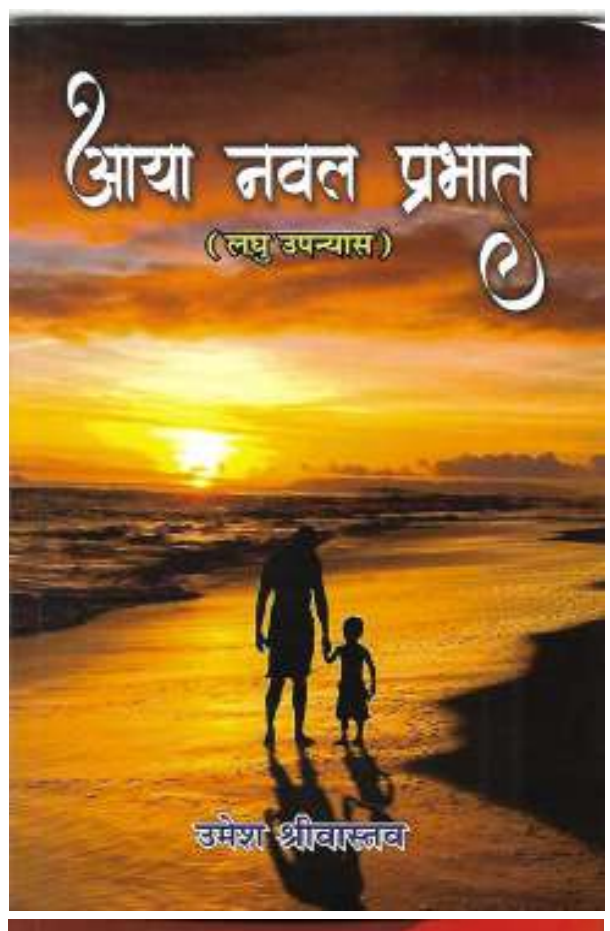

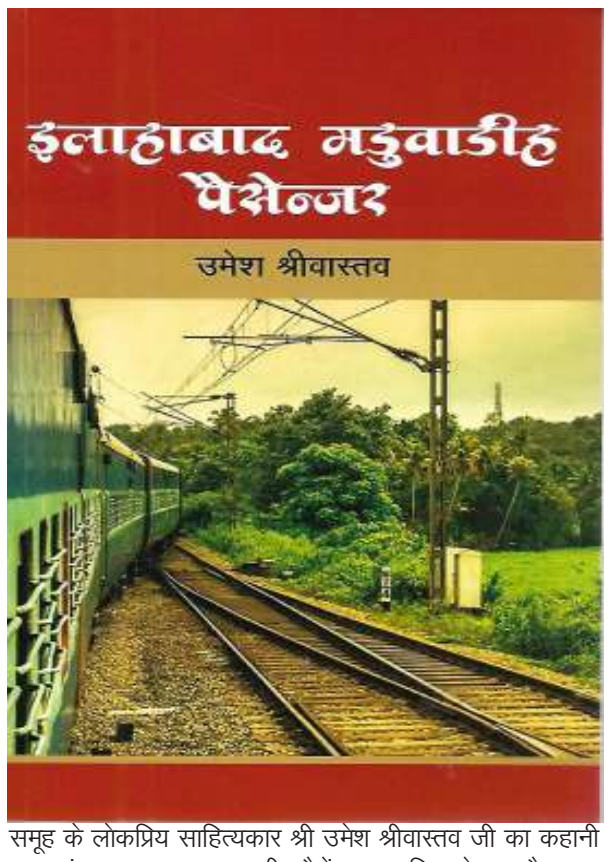







चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित







समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

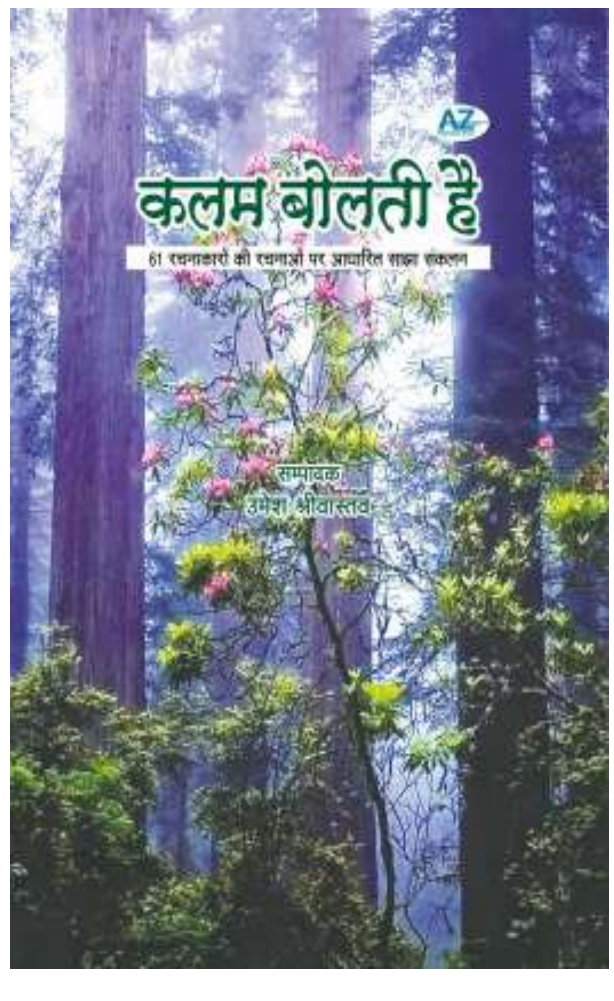

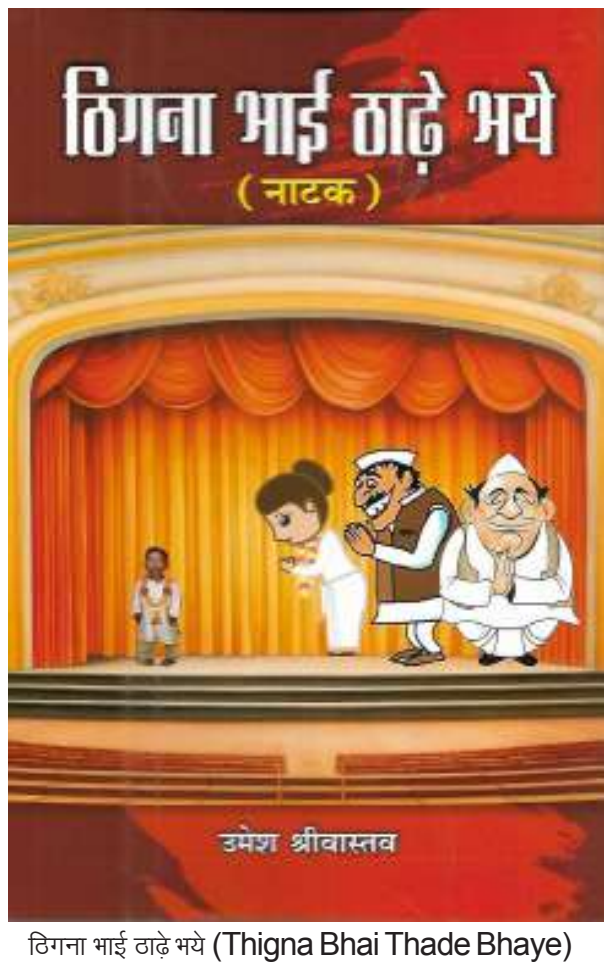







ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

## संक्षिप्त

### एडिलेड में भारतीय व्यक्ति पर जानलेवा हमला, संदिग्ध नस्लवादी लोगों ने गालियां भी दीं

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड में सड़क पर एक भारतीय युवक पर जानलेवा हमला किया गया और फिर उसे वहीं बेहोशी की हालत में मरने के लिए छोड़ दिया गया। युवक की पहचान चरणप्रीत सिंह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार पार्किंग को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद कुछ लोगो ने उनके खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां कीं और मारपीट की।ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। चौनल 9न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, हमले से पहले सिंह से कहा गया, यहां से भाग जा, इंडियन और फिर उस पर लगातार घूंसे बरसाए गए। घटना शनिवार रात (स्थानीय समय अनुसार) शहर के केंद्र में स्थित किंटोर एवेन्यू के पास हुई। चरणप्रीत सिंह (23 वर्षीय) अपनी कार में था, तभी कुछ लोगों का एक समूह उसके पास आया, नस्लवादी बातें करने लगे लगे और बिना किसी उकसावे के उस पर हमला कर दिया। हमले में चरणप्रीत को गंभीर चोटें आईं। उनके सिर पर गहरी चोट और चेहरे की कई हड्डियां टूटी हैं। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका रातभर उपचार चलता रहा। साउथ ऑस्ट्रेलिया पुलिस ने रविवार को एनफील्ड इलाके से एक युवक (20 वर्षीय) को गिरफ्तार किया है और उस पर हमला कर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। हालांकि, बाकी हमलावर घटना के बाद मौके से फरार हो गए और उनकी पहचान अब तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आम लोगों से मदद मांगी है ताकि वह बाकी हमलावरों को पकड़ सके। इस हमले से एडिलेड में भारतीय समुदाय आक्रोश में है। ऑस्ट्रेलिया में अंतरराष्ट्रीय छात्रों और प्रवासियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर चरणप्रीत सिंह के लिए समर्थन मिल रहा है और कई लोग नस्लीय हमलों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अस्पताल में चरणप्रीत सिंह ने कहा कि यह हमला उन्हें अंदर से झकझोर गया है। उन्होंने कहा, ऐसी घटनाएं जब होती हैं तो लगता है कि वापस चले जाना चाहिए। आप शरीर में कुछ भी बदल सकते हैं, लेकिन रंग को नहीं। साउथ ऑस्ट्रेलिया के मुख्यमंत्री पीटर मलीनाउसकस ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने 9न्यूज से कहा, जब भी हमें किसी नस्लीय हमले के सबूत मिलते हैं, वह हमारे राज्य में बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है और यह हमारे समाज की सोच से मेल नहीं खाता। पुलिस मामले की जांच कर रही है और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है। बाकी हमलावर अब भी फरार हैं।

### भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे ट्रंप, फिर बोले- मैंने युद्ध रुकवाया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत–पाकिस्तान संघर्ष विराम का श्रेय लेने से बाज नहीं आ रहे हैं। करीब 20 से अधिक बार ट्रंप संघर्ष विराम का दावा कर चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को एक बार फिर कहा कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। इस संघर्ष में पांच फाइटर जेट मार गिराए गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष परमाणु युद्ध में बदलने वाला था। जबकि भारत बार–बार इसका खंडन कर रहा है। वहीं ट्रंप के इस दावे को कांग्रेस ने सिल्वर जुबली करार दिया है। रिपब्लिकन सीनेटरों के लिए आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान व्हाइट हाउस में बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि हमने भारत और पाकिस्तान, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और रवांडा के बीच युद्ध रोक दिए। ये गंभीर युद्ध थे। भारत और पाकिस्तान में जो चल रहा था। वहां से विमानों को मार गिराया जा रहा था। मुझे लगता है कि पांच जेट मार गिराए गए थे। मैंने उन्हें फोन किया और कहा कि सुनो, अब और व्यापार नहीं। अगर तुम ऐसा करोगे, तो तुम्हारा भला नहीं होगा। वे दोनों शक्तिशाली परमाणु संपन्न देश हैं और ऐसा होता ही और कौन जानता है कि इसका क्या नतीजा होता। मैंने इसे रोक दिया। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिका ने ईरान की पूरी परमाणु क्षमता को नष्ट कर दिया है और कोसोवो और सर्बिया के बीच संघर्ष को भी रोक दिया है।

# पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को बड़ा झटका, पीटीआई के सात नेताओं को 10 साल की कैद

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ पार्टी के सात प्रमुख नेताओं को 2023 के दंगों के मामलों में 10 साल कैद की सजा सुनाई गई है। लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्रियों यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद, और लाहौर में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ पिछला चुनाव लड़ने वाले वकील अज़ीम पाहट को 9 मई, 2023 को शारपाओ ब्रिज दंगों से संबंधित मामले में 10–10 साल कैद की सजा सुनाई है।

इमरान खान की पार्टी के सात नेताओं को 10 साल की कैद

अदालत के एक अधिकारी ने पीटीआई– से कहा, ''लाहौर की आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने सीनेटर एजाज चौधरी, पंजाब के पूर्व गवर्नर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री यास्मीन राशिद और महमूदुर राशिद तथा एडवोकेट अजीम पाहत को 10–10 साल की सजा सुनाई।'' ये सभी नेता नौ मई को हुई हिंसा के सिलसिले में आतंकवाद के आरोपों के तहत कई मामलों का सामना कर रहे हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का अनुमान है कि इन नेताओं को नौ मई को हुई हिंसा से जुड़े अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया जा सकता है। इसके अलावा, लाहौर की एक अदालत ने शहर में हुए दंगों में संलिप्तता के लिए पीटीआई के आठ सदस्यों को 10–10 साल जेल की सजा सुनाई। जिन लोगों को सजा सुनाई गई है उनमें पंजाब प्रांत के पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा, पूर्व प्रांतीय मंत्री यास्मीन राशिद और वर्तमान सीनेटर एजाज अहमद चौधरी शामिल हैं। हालांकि, पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और पांच अन्य को बरी कर दिया गया।

इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क उठी

दंगों के बाद, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व सहित हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में हैं। संघीय सरकार ने एटीसी द्वारा सुनाई गई सजा का स्वागत किया है और इसे एक सकारात्मक कदम बताया है। पीटीआई पंजाब इकाई की प्रमुख आलिया हमजा, वरिष्ठ नेता बाबर अवान और विधायक असद कैसर ने सजा की निंदा करते हुए कहा कि इन मामलों में न तो पारदर्शी और न ही कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया और न ही कोई विश्वसनीय गवाह पेश किया गया।

पीटीआई ने इन फैसलों को उच्च न्यायालयों में चुनौती देने की कसम खाई है

पीटीआई के लंदन स्थित प्रवक्ता सैयद जुल्फिकार बुखारी ने कहा कि अभियोजन पक्ष ष्प्रक्रियात्मक अनियमितता, चयनात्मक न्याय और संवैधानिक उल्लंघनों के एक परेशान करने वाले पैटर्न को उजागर करता है।ष उन्होंने इन मुकदमों को ष्राजनीतिक तमाशा... कहा, जिन्हें तेज़ गति से निपटाया जा रहा है – रोज़ाना सुनवाई, यहाँ तक कि शनिवार को देर रात 10रू40 बजे तक चलने वाली सुनवाई भी।ष खान अगस्त 2023 से भ्रष्टाचार के कई आरोपों में जेल में बंद हैं, जिनके बारे में उनकी पार्टी का कहना है कि ये आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। उनके समर्थकों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को भी कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है, हज़ारों लोगों को हिरासत में लिया गया है और खान का नाम टेलीविज़न से हटा दिया गया है। पिछले साल, संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों के एक पैनल ने पाया कि खान की नज़रबंदी का ष्कोई कानूनी आधार नहीं था और ऐसा लगता है कि इसका उद्देश्य उन्हें चुनाव लड़ने से अयोग्य ठहराना थाष। खान की लोकप्रियता उस अस्थिर गठबंधन सरकार को कमज़ोर कर रही है जिसने पिछले साल चुनावों के बाद पीटीआई को सत्ता से दूर रखा था।

फैसले का क्या असर हो सकता है?

राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, इस फैसले के दूरगामी राजनीतिक परिणाम हो सकते हैं। इमरान खान पहले से ही कई मामलों में जेल में हैं और पार्टी चुनाव आयोग और सरकार दोनों के लगातार दबाव में रही है। इन शीर्ष नेताओं को अब सजा सुनाए जाने से पीटीआई नेतृत्व को बड़ा झटका लगा है। राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि इन नेताओं को 9 मई की हिंसा से जुड़े अन्य मामलों में भी दोषी ठहराया जा सकता है, जिससे उनकी सजा और भी लंबी हो सकती है। हालाँकि, पीटीआई ने अदालत के फैसले को ष्राजनीति से प्रेरितष करार दिया है और अपील करने की अपनी मंशा की घोषणा की है।

# धरती का नर्क बन गया गाजा ? 21 बच्चों ने भूख से तोड़ा दम, माएं ताक रहीं आसमान

गाजा पट्टी में एक ही दिन में चार बच्चों सहित कम से कम 15 फ़िलिस्तीनी भूख से मर गए, जिससे इज़राइल युद्ध शुरू होने के बाद से कुपोषण से मरने वालों की कुल संख्या 101 हो गई है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई जब इज़राइली सेना गाजा पर लगातार बमबारी कर रही है, जिसमें कम से कम 81 लोग मारे गए हैं, और संयुक्त राष्ट्र ने इस क्षेत्र की स्थिति को भयावह बताया है, जिसमें हाल के दिनों में अभूतपूर्व मृत्यु और विनाश का स्तर है। फ़िलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में भुखमरी से संबंधित 15 मौतों में चार बच्चे शामिल हैं और कुल 101 मौतों में 80 बच्चे शामिल हैं। ज़्यादातर मौतें पिछले कुछ हफ़्तों में हुई हैं। डॉक्टरों के अनुसार, मंगलवार को मरने वाले बच्चों में छह हफ़्ते का यूसुफ़ अल–सफ़ादी भी शामिल था, जिसकी उत्तरी गाज़ा शहर के एक अस्पताल में मौत हो गई, और 13 साल का अब्दुल हमीद अल–ग़लबान भी शामिल था, जिसकी दक्षिणी ख़ान यूनिस स्थित एक अन्य चिकित्सा केंद्र में मौत हो गई। यूसुफ के चाचा, अदहम अल–सफादी ने रॉयटर्स समाचार एजेंसी को बताया कि शिशु की मां स्तनपान नहीं करा पा रही थी, क्योंकि वह खाना नहीं खा रही थी और परिवार को उसे खिलाने के लिए शिशु फार्मूला नहीं मिल पा रहा था। अल–सफादी ने रॉयटर्स को बताया, आपको कहीं दूध नहीं मिल रहा है, और अगर मिल भी जाए, तो एक टब के लिए 100 डॉलर लगते हैं। माँ स्तनपान नहीं करा सकती। खाने–पीने की कोई व्यवस्था नहीं है, इसलिए स्तन का दूध भी नहीं मिल रहा। बच्ची कुपोषण से मर गई। भुखमरी का यह संकट ऐसे समय में आया है जब इज़राइल ने गाजा में आने वाले भोजन, ईंधन, पानी और अन्य मानवीय आपूर्ति पर लगभग पाँच महीने से नाकाबंदी कर रखी है। इज़राइल ने मार्च में गाजा में सभी प्रकार की वस्तुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी थी, लेकिन मई से उसने थोड़ी–थोड़ी सहायता की अनुमति दे दी है, जो मुख्यतः विवादास्पद संयुक्त राज्य अमेरिका समर्थित गाजा मानवतावादी फाउंडेशन (जीएचएफ) के माध्यम से दी जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, जीएचएफ के अभियान शुरू होने के बाद से, इज़राइली बलों ने खाद्य सहायता की तलाश में 1,000 से ज़्यादा फ़िलिस्तीनियों को मार डाला है, जिनमें से ज़्यादातर समूह के वितरण केंद्रों के पास मारे गए। गाज़ा में चिकित्सकों के अनुसार, मंगलवार को मारे गए 81 फ़िलिस्तीनियों में कम से कम 31 सहायता चाहने वाले लोग शामिल हैं।

### डोनाल्ड ट्रंप ने देशद्रोह का आरोप लगाया, गबार्ड ने आपराधिक मामला दर्ज कराया, अब पूरे मामले पर पहली बार ओबामा का जवाब आया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप के देशद्रोह के आरोपों को निराधार बताकर खारिज किया है। ट्रंप अक्सर ओबामा पर नाम लेकर हमला करते हैं, लेकिन दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद पहली बार ओबामा पर आपराधिक कार्रवाई के आरोपों के साथ उंगली उठाई है।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रवक्ता ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आरोपों पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ट्रम्प ने ओबामा और उनके प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों पर 2016 के चुनाव में जीत के बाद उन्हें रूस से झूठा संबंध जोड़ने के लिए राजद्रोह की साजिश रचने का आरोप लगाया था। ओबामा के प्रवक्ता पैट्रिक रोडेनबुश ने कहा कि ये विचित्र आरोप हास्यास्पद हैं और ध्यान भटकाने का एक कमजोर प्रयास है।

इससे पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओबामा और उनके शीर्ष सहयोगियों पर 2016 के चुनाव में जीत के बाद ट्रंप–रूस जांच शुरू करने में उनकी भूमिका के ज़रिए देशद्रोहष्करने का आरोप लगाकर तनाव बढ़ा दिया था।

ट्रंप की यह टिप्पणी राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेज़ों को जारी करने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने ओबामा काल के दौरान राजनीतिक रूप से प्रेरित खुफिया हेरफेर की ओर इशारा किया था।

ओवल ऑफिस से बोलते हुए, ट्रंप ने घोषणा करते हुए कहा कि यह साफ़ है, वह दोषी है। यह देशद्रोह था। उन्होंने चुनाव चुराने की कोशिश की, उन्होंने चुनाव को उलझाने की कोशिश की। उन्होंने ऐसे काम किए जिनकी किसी ने कभी कल्पना भी नहीं की थी, यहाँ तक कि दूसरे देशों में भी नहीं।

यह विवाद गबार्ड द्वारा सार्वजनिक किए गए दस्तावेज़ों से उपजा है। सार्वजनिक दस्तावेजों में पूर्व डीएनआई जेम्स क्लैपर, सीआईए निदेशक जॉन ब्रेनन, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सुसान राइस, विदेश मंत्री जॉन केरी, अटॉर्नी जनरल लोरेटा लिंच और एफबीआई के उप निदेशक एंड्रयू मैककेब जैसे कई वरिष्ठ अधिकारियों के नाम हैं । ये कथित तौर पर ट्रम्प को रूस से जोड़ने वाली कहानी गढ़ने में शामिल थे।

गबार्ड ने न्याय विभाग को एक आपराधिक रेफरल भेजा, जिसमें उन्होंने ओबामा प्रशासन द्वारा खुफिया जानकारी के राजनीतिकरण और संघीय शक्ति के दुरुपयोग के मामले की जांच का आग्रह किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

## आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227